पौष कृष्ण - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 145 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 19-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं : रोहित शर्मा

6 पहले राज्यों से लागू होगी समान नागरिक संहिता

7 अक्षरधाम मंदिर शाश्वत भेंट है जो सभी के लिए शांति लायेगी : गबार्ड

फर्स्ट टेक

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय कैरियर से विदा लेकर क्रिकेट जगत को चौंका दिया

ब्रिसबेन/भाषा। भारत के अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट शृंखला के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तुरंत प्रभाव से संन्यास लेने का ऐलान करके क्रिकेट जगत को चौका दिया । उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि अभी उनके भीतर खेल बाकी है । 38 वर्ष के अश्विन ने भारत के लिए अनिल कुंबले (619 विकेट) के बाद 106 मैचों में सर्वाधिक 537 टेस्ट विकेट लिए हैं ।आईपीएल में अगले साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए वापसी करने वाले अश्विन क्लब क्रिकेट खेलते रहेंगे । अश्विन ने ब्रिसबेन में तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद कप्तान रोहित शर्मा के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैं आपका अधिक समय नहीं लूंगा । यह भारतीय टीम के क्रिकेटर के रूप में मेरा आखिरी दिन है ।'' इसके बाद उन्होंने कोई सवाल लेने से इनकार कर दिया और घोषणा करके चले गए ।

हिंदी के लिए गगन गिल को 2024 का साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली/भाषा। हिंदी भाषा में 'मैं जब तक आयी बाहर' के लिए प्रसिद्ध कवयित्री गगन गिल और अंग्रेजी में 'स्पिरिट नाइट्स' के लिए ईस्टरिन किरे समेत 21 भारतीय भाषाओं के रचनाकारों को वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा बुधवार को की गई। अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गिल को उनके कविता संग्रह 'मैं जब तक आयी बाहर' के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित जाएगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में किरे को उनके उपन्यास 'स्पिरिट नाइट्स' के लिए तथा मराठी में सुधीर रसाल को उनकी आलोचना 'विंदांचे गुद्यरूप' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

महाकुंभ मेले के लिए मुफ्त यात्रा का कोई प्रावधान नहीं : रेलवे

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने उन दावों को बेबुनियाद और भ्रामक करार देते हुए बुधवार को खारिज किया कि महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों को मुफ्त यात्रा की अनुमति दी जाएगी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई प्रावधान मौजूद नहीं है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारतीय रेलवे के संज्ञान में आया है कि कुछ मीडिया संस्थान ऐसी खबरें प्रसारित कर रहे हैं कि महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों को मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी।

19-12-2024 सूर्यास्त 5:57 बजे | 20-12-2024 सूर्योदय 6:36 बजे

BSE	NSE
80,182.20 (-502.25)	24,198.85 (-137.15)

सोना	चांदी
8,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,295 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नत मस्तक जो

नीयत में जिसके खोट नहीं,
यह बात सभी स्वीकार करें।
कृत्यों में कृत्रिम भाव नहीं,
आलोचक भी जयकार करें।
नत मस्तक मातृभूमि पर हो,
रज कण तक का आभार करे।
जो बात करे मन की मन से,
उसको तब जन-जन प्यार करें।।

कांग्रेस के आरोपों पर गृह मंत्री अमित शाह का जोरदार बचाव करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

कांग्रेस के 'झूठ' उसके 'कुकर्मों' को नहीं छिपा सकते : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के आरोपों पर गृह मंत्री अमित शाह का जोरदार बचाव करने के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को काफी तीखी टिप्पणी करते हुये कहा कि विपक्षी दल का 'दूषित इकोसिस्टम' और 'दुर्भावनापूर्ण झूठ' उसके 'कुकर्मों' को नहीं छिपा सकता है।

शाह के बयान पर कांग्रेस और अन्य दलों द्वारा सरकार पर निशाना साधे जाने के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री ने दरअसल आंबेडकर का 'अपमान करने के कांग्रेस पार्टी के काले इतिहास' की पोल खोलकर रख दी है, जिससे मुख्य विपक्षी दल स्तब्ध है। उन्होंने कहा, ''वे (कांग्रेस) स्पष्ट रूप से उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से स्तब्ध हैं और यही वजह है कि वे अब नाटकीयता में लिप्त हैं! अफसोस की बात है कि लोग उनकी सच्चाई जानते हैं ।''

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि जब डॉ. आंबेडकर की बात आती है तो उनकी सरकार का सम्मान और उसकी श्रद्धा उच्च कोटि की होती है।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कांग्रेस के उस आरोप के मद्देनजर आई है, जिसमें कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मोदी ने यह भी कहा कि भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि किस प्रकार एक 'परिवार' के नेतृत्व में एक पार्टी, डॉ आंबेडकर की विरासत को मिटाने और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदायों को अपमानित करने के लिए हरसंभव 'गंदी चाल' चलने में लिप्त रही है। मोदी ने कहा कि संसद में अमित शाह ने आंबेडकर का अपमान करने और एससी/एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के 'काले इतिहास' की पोल खोल दी है।

विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन जरूरी : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने का आह्वान किया है।

बिरला ने बुधवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित मिशन ''लाइफ - पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली के साथ इस चुनौती से निपटने में भारत सबसे आगे है। लोकसभा अध्यक्ष संसद भवन परिसर में भारतीय वन सेवा के 2023-25 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए 'संसदीय पद्धति और प्रक्रिया' विषय पर आयोजित परिबोधन पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस पाठ्यक्रम का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध और प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जा रहा है। बिरला ने कहा कि भारतीय वन सेवा पर जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए अभियान चलाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है । उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से देश के वन क्षेत्र का विस्तार करने और वन्यजीवों की रक्षा करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा , भारतीय संस्कृति में प्रकृति पूजनीय है। हम पेड़ों की पूजा करते हैं और धरती को अपनी मां मानते हैं। बिरला ने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारी रीतियाँ और नीतियाँ प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना पर आधारित हैं । इसी को ध्यान में रखते हुए देश में बड़ी संख्या में वन पार्क बनाए गए हैं और वन क्षेत्रों को विकसित करने के लिए नीतिगत प्रयास किए गए हैं ।

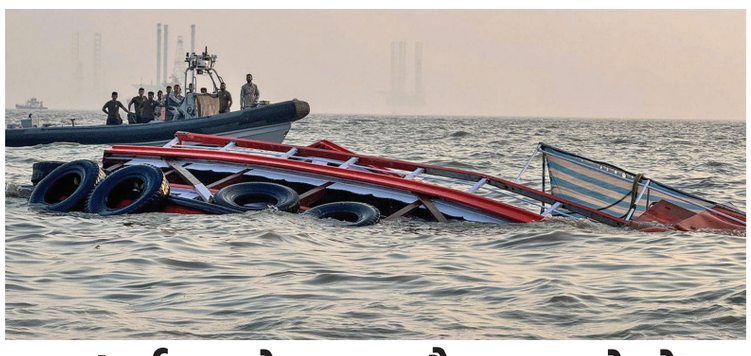

मुंबई तट के पास नौका हादसे में 13 लोगों की मौत, 99 को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में मुंबई तट के नजदीक बुधवार को नौसेना के जहाज के एक नौका से टकराने के कारण 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 99 अन्य लोगों को बचा लिया गया। नौसेना ने यह जानकारी दी। नौसेना की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया कि नौसेना का एक जहाज इंजन परीक्षण के लिए जा रहा था, लेकिन तभी शाम चार बजे इसने नियंत्रण खो दिया और करंजा के पास यह नीलकमल नामक नौका से टकरा गई। यह नौका यात्रियों को गेटवे ऑफ इंडिया से लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'एलीफेंटा' द्वीप पर लेकर जा रही थी।

नौसेना ने कहा, ''नौसेना ने तटरक्षक बल और समुद्री पुलिस के समन्वय से खोज एवं बचाव प्रयास तुरंत शुरू किए। बचाव अभियान में नौसेना के चार हेलीकॉप्टर, नौसेना के 11 जहाज, तटरक्षक बल की एक नाव और समुद्री पुलिस की तीन नावों की मदद ली जा रही है।'' इसमें कहा गया, ''नौसेना और अन्य जहाजों की मदद से जीवित बचे लोगों को आसपास की जेटी पर पहुंचाया गया और फिर उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। अब तक 99 लोगों को बचाया जा चुका है।''

नौसेना ने बताया कि इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें नौसेना का एक कर्मचारी और नौसेना के जहाज में सवार ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) के दो लोग शामिल हैं।

'रेल रोको' प्रदर्शन

फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब में किसानों ने तीन घंटे तक 50 से अधिक स्थानों पर पटरियों पर बैठकर 'रेल रोको' प्रदर्शन किया जिसकी वजह से राज्य में रेलगाड़ियों का आवागमन प्रभावित हुआ। 'रेल रोको' का आह्वान संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने किया था।

'कर्नाटक सरकार वक्फ संपत्तियों पर बने मंदिरों को नहीं हटाएगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलागावी (कर्नाटक)/भाषा। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कर्नाटक विधानसभा को यह आश्वासन दिया कि वक्फ संपत्तियों पर बने मंदिरों को सरकार नहीं हटाएगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर उन्हें नोटिस जारी कर दिए गए हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा।

वक्फ बोर्ड द्वारा किसानों, मंदिरों और कई अन्य व्यक्तियों को बेदखली नोटिस जारी करने के मुद्दे पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर वक्फ संपत्तियों पर मंदिर बनाए गए हैं तो हम उन्हें नहीं हटाएंगे। मैं यह बहुत स्पष्ट कर रहा हूं। अगर कोई नोटिस जारी किया गया है, तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा।''

विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा वक्फ का मुद्दा उठाए जाने पर वक्फ एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान ने स्पष्ट किया कि अगर किसानों तथा मंदिरों को नोटिस दिए गए हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भी कहा कि किसी भी किसान को उस जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा जिस पर वह खेती कर रहा है।

भाजपा विधायक अरागा ज्ञानेंद्र ने सरकारी अभिलेखों से वक्फ के रूप में दर्ज संपत्तियों को भी हटा दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सिर्फ नोटिस वापस लिए जाने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा। विपक्षी भाजपा के नेता आर. अशोक ने मांग को उचित ठहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के गृह जिले मैसूरु के कृष्णा राजा निर्वाचन क्षेत्र में 110 कुरुबा परिवार हैं, जो नोटिस के कारण दर-दर भटक रहे हैं। उन्होंने सिद्दरामय्या को कई बार ज्ञापन सौंपे लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मंत्री खान ने 2014 में भाजपा द्वारा घोषणापत्र में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण हटाने का वादा किए जाने की याद दिलाई।

मुख्यमंत्री ने वक्फ संपत्तियों को बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में 1.10 लाख एकड़ वक्फ संपत्तियां थीं, जो अतिक्रमण और इनाम उन्मूलन अधिनियम जैसे कानून के विभिन्न प्रावधानों के कारण अब घटकर मात्र 20 हजार एकड़ रह गई हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन बनाकर रखना महत्वपूर्ण : भारत ने चीन से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को नई दिल्ली और बीजिंग के बीच समग्र संबंधों को बढ़ावा देने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सीमा के मसले पर चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ व्यापक बातचीत की। विशेष प्रतिनिधि वार्ता की रूपरेखा के तहत वार्ता बीजिंग में हुई। डोभाल और वांग सीमा वार्ता के लिए विशेष प्रतिनिधि (एसआर) हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''एसआर ने सीमा के प्रश्न के समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य ढांचे की मांग करते हुए समग्र द्विपक्षीय संबंधों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य को बनाए रखने के महत्व को दोहराया और इस प्रक्रिया में और अधिक जीवंतता लाने का संकल्प लिया।''

उसने कहा कि डोभाल और वांग दोनों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया।

॥ वंदे श्री ऋषभं वीरं ॥

JITO BANGALORE SOUTH CHAPTER FOUNDATION

JITO LADIES | JITO BANGALORE SOUTH | JITO BUSINESS NETWORK Powered by PAGARIYA

PRESENTS

100+ STALLS

udaan
SOAR THE SKIES

SHOP TILL YOU DROP

2 DAYS OF EXHIBITION CUM SALE

Main Sponsor
AARAM CHAIRS
Shaan bhi, Aaram bhi

Food Sponsor
Prestine Ventures Pvt Ltd

19th - 20th DECEMBER 2024

Venue: MAHAVEER DHARAMSHALA, V.V. Puram Bangalore

GRAND INAUGURATION CEREMONY
By
Chief Guest: Sri Nirmal Kumar Surana
Ex MLA, BJP Rashtriya Karyakarini Member
Pondicherry State In-charge

Thursday, 19th December 2024 at 9:30AM

2 days Exhibition timing: 10:00AM to 8:00PM

An Exclusive 2 - Day Exhibition of

JEWELLERY | DESIGNER WEAR | HOME FURNISHINGS | HAND BAGS
FOOD COURT | SADHARMIK STALLS | KIDS WEAR

& many more by Jain Women Entrepreneurs.

JITO BANGALORE SOUTH LADIES WING
Babita Raysoni, Chairperson | Nidhi Palrecha, Chief Secretary | Anjana C Jain, Event Convener | Neetu Gulechha, Event Co-convener

JITO BANGALORE SOUTH CHAPTER
Ranjeet Solanki, Chairman | Nitin Lunia, Chief Secretary

Title Sponsor
PAGARIYA GROUP NAGPUR

No. 97, 1st Floor, Mahaveer Arcade, Sirsi Road, Chamrajpet, Bangalore - 560018

कांग्रेस ने मेरे बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया : अमित शाह

सपने में भी बाबा साहेब का अपमान नहीं कर सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने राज्यसभा में बाबा साहेब आंबेडकर पर दिए गए उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और कहा कि वह सपने में भी संविधान निर्माता का अपमान नहीं कर सकते हैं।

शाह ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''कल से कांग्रेस ने जिस तरह से तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर रखने का प्रयास किया है, वह अत्यंत निंदनीय है। मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं।''

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि शाह ने राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया।

मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं कि ''अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर

भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।''

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वक्ताओं ने संविधान पर, संविधान की रचना के मूल्यों पर और जब-जब कांग्रेस या भाजपा का शासन रहा, तब शासन ने संविधान के मूल्यों का किस तरह से मूल्यांकन, संरक्षण और संवर्धन किया, इस पर तथ्यों और अनेक उदाहरण के साथ भाजपा के वक्ताओं ने विषय रखे। उन्होंने कहा, ''इससे तय हो गया कि कांग्रेस आंबेडकर की विरोधी पार्टी है। कांग्रेस आरक्षण विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी है। कांग्रेस ने सावरकर का भी अपमान किया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान के सारे मूल्यों की धज्जियां उड़ा दी। नारी सम्मान को भी वर्षों तक दरकिनार किया।''

शाह ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस ने न्यायपालिका का हमेशा अपमान किया। सेना के शहीदों का अपमान किया और भारत की भूमि तक को संविधान तोड़कर दूसरे देशों को देने की हिमाकत कांग्रेस के शासन में हुई।'' उन्होंने कहा, ''जब यह पूरा सत्य उजागर हो गया तो कल से कांग्रेस ने फिर एक बार अपनी पुरानी पद्धति को आजमाते हुए बातों को तोड़ मरोड़ कर और सत्य को असत्य के कपड़े पहना कर समाज में भ्रांति फैलाने का प्रयास किया है।''

शाह ने कहा कि वह उस पार्टी से आते हैं जो सपने में भी बाबा साहेब का अपमान नहीं कर सकते। संवाददाता सम्मेलन में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रीजीजू सहित कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नेता उपस्थित थे।

शरद पवार महाराष्ट्र के दो किसानों के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास आघाडी (एमवीए) की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'महायुति' से हार के कुछ सप्ताह बाद हुई।

पवार ने पश्चिमी महाराष्ट्र के फलटण के दो किसानों के साथ संसद में स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में उनसे मुलाकात की और उन्हें किसानों के खेत से लाये गये अनार की एक पेटी भेंट की।

पवार ने हाल में प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी के तालकटोरा स्टेडियम में फरवरी में आयोजित होने वाले 98 वें मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए उन्हें आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद पवार ने कहा, ''मैंने साहित्य सम्मेलन के विषय पर बात नहीं की।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शरद पवार ने किसानों के एक समूह के साथ बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की।

इसमें राकांपा (एसपी) प्रमुख द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को अनार भेंट करने की तस्वीरें भी पोस्ट की गईं।

पिछले माह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, राकांपा (एसपी), शिवसेना (उबाठा) वाले गठबंधन एमवीए को भाजपा, शिवसेना, राकांपा वाले गठबंधन महायुति से करारी हार मिली थी।

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीट में से 'महायुति' ने 235 और एमवीए ने 46 सीट जीती हैं।

अमित शाह की आंबेडकर के बारे में टिप्पणी भाजपा के अहंकार को दर्शाती : उद्धव ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी भाजपा के 'अहंकार' को दर्शाती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। ठाकरे ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. आंबेडकर समेत महाराष्ट्र के प्रतीकों व हस्तियों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शह के बिना शाह डॉ. आंबेडकर के बारे में टिप्पणी करने की हिम्मत नहीं कर सकते थे।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''डॉ. आंबेडकर के बारे में अमित शाह की टिप्पणी पार्टी (भाजपा) के अहंकार को दर्शाती है और इस टिप्पणी ने पार्टी का असली चेहरा उजागर कर दिया है।'' ठाकरे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को डॉ. आंबेडकर के बारे में टिप्पणी के लिए अमित शाह के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

शिवसेना (उबाठा) के नेता ने सवाल किया कि क्या भाजपा के सहयोगी दल - तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल(यूनाइटेड), रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) और शिवसेना आंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी से सहमत हैं।

विपक्षी दल कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान शाह की टिप्पणी से पता चलता है कि भाजपा और आरएसएस नेताओं में आंबेडकर के लिए 'बहुत नफरत' है।

अगले वित्त वर्ष में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : इंडिया रेटिंग्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

India Ratings & Research
A Fitch Group Company

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अर्थव्यवस्था अगले वित्त वर्ष (2025-26) में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि चालू वित्त वर्ष (2024-25) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) ने यह अनुमान लगाया है।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बुधवार को कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 और 2023-24 की तरह 2025-26 में भी निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि का प्रमुख चालक होगा। भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछली तीन तिमाहियों में चक्रीय वृद्धि में सुस्ती देखी है। इस रुख के अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पलटने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2023-24 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर कोविड-19 वैश्विक महामारी के दुष्प्रभावों से प्रभावित हुई। यहां तक कि आधार प्रभाव ने भी तिमाही जीडीपी वृद्धि को प्रभावित किया। वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि मजबूत आधार प्रभाव और मई, 2024 में आम चुनाव से प्रभावित हुई। जुलाई-सितंबर की अवधि में निजी क्षेत्र के निवेश में कमजोरी का वृद्धि दर पर असर दिखा। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मौद्रिक, राजकोषीय और बाह्य मोर्चे पर सख्ती का सामना कर रही है। हालांकि, अब मौद्रिक परिस्थितियों में नरमी आने की उम्मीद है, लेकिन राजकोषीय तथा बाह्य स्थिति का प्रभाव 2025-26 में भी जारी रहने की संभावना है।

दिल्ली में चुनाव जीतने के बाद 'आप' वृद्धजनों के निःशुल्क इलाज की योजना शुरू करेगी: केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को घोषणा की कि दिल्ली में उनकी पार्टी के सत्ता में लौटने पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के निःशुल्क उपचार के लिए 'संजीवनी योजना' शुरू की जाएगी।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में प्रस्तावित है।

केजरीवाल ने कहा कि इस योजना के लिए पंजीकरण दो-तीन दिन में शुरू हो जायेगा।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आम आदमी पार्टी के स्वयंसेवी इस योजना के लिए पात्र बुजुर्गों का पंजीकरण कराने के लिए घर-घर जाएंगे।

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद 'आप' सरकार इस योजना को लागू करेगी।

शिंदे ने फडणवीस-उद्धव की मुलाकात को 'स्वागत योग्य बदलाव' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच मुलाकात को बुधवार को स्वागत योग्य बदलाव करार दिया।

उद्धव और उनके विधायक बेटे आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को नागपुर में विधान भवन परिसर में फडणवीस और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मुलाकात की थी।

आदित्य ने कहा था कि मुलाकात के दौरान उन्होंने दोनों (फडणवीस और नार्वेकर) को शुभकामनाएं दीं और राजनीतिक परिपक्वता दिखाने एवं लोगों के हित में मिलकर काम करने की दिशा में कदम उठाने की बात कही। महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के बीच नागपुर में संवाददाताओं से बातचीत में शिंदे ने कहा कि जो लोग लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद 'सातवें आसमान पर' थे और विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में लौटने पर 'हमें जेल

भेजने की योजना' बना रहे थे, वे अब मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, यह एक स्वागत योग्य बदलाव है। मुख्यमंत्री राज्य के नेता हैं और कोई भी उनसे मिल सकता है। शिंदे ने भाजपा नीत महायुति सरकार को ईवीएम सरकार कहने के लिए विपक्ष की आलोचना की। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीट में से 30 पर जीत दर्ज करने वाले विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) को 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनावों में महज 46 सीट से संतोष करना पड़ा था। वहीं, लोकसभा चुनाव में 17 सीट हासिल करने वाले महायुति ने विधानसभा चुनाव में 230 सीट पर जीत दर्ज कर राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखी थी। विधानसभा चुनावों के बाद एमवीए नेता इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की शुचिता पर सवाल उठा रहे हैं। शिंदे ने कहा, जनादेश का अपमान मत कीजिए, वरना लोग अगली बार आपको और कड़ा सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार, जिसमें भाजपा, शिवसेना और राकांपा शामिल हैं, परिणाम देने के लिए एक टीम के रूप में काम करेगी।

नियोक्ता उच्च वेतन पर पेंशन के लिए 31 जनवरी तक वेतन विवरण कर सकते हैं दाखिल

नई दिल्ली/भाषा। सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए लंबित 3.1 लाख आवेदनों के संबंध में वेतन विवरण आदि ऑनलाइन मंच पर साझा करने (अपलोड) की समय सीमा नियोक्ताओं के लिए 31 जनवरी 2025 तक बढ़ा दी है। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ईपीएफओ द्वारा उच्च वेतन पर पेंशन के लिए विकल्पों/संयुक्त विकल्पों के सत्यापन हेतु आवेदन प्रस्तुत करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उच्चतम न्यायालय के चार नवंबर 2022 के आदेश के अनुपालन के तहत यह सुविधा पात्र पेंशनभोगियों या सदस्यों के लिए 26 फरवरी 2023 को पेश की गई। इसे केवल तीन मई 2023 तक उपलब्ध कराया जाना था।

हालांकि, कर्मचारियों के अभ्यावेदन पर गौर करते हुए पात्र पेंशनभोगियों/सदस्यों को आवेदन दाखिल करने के लिए पूरे चार महीने का समय प्रदान करने हेतु समय सीमा को 26 जून 2023 तक बढ़ा दिया गया। उन्हें किसी कठिनाई को दूर करने के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय भी दिया गया था। इससे आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2023 हो गई व इस तारीख तक पेंशनभोगियों/सदस्यों से कुल 17.49 लाख आवेदन प्राप्त हुए। इसके बाद भी नियोक्ता एवं नियोक्ता संघों द्वारा वेतन विवरण 'अपलोड' करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किए जाने पर वेतन विवरण आदि ऑनलाइन जमा करने की समय सीमा को पहले 30 सितंबर 2023 तक, फिर 31 दिसंबर 2023 तक और उसके बाद 31 मई 2024 तक बढ़ा दिया गया।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 502 अंक और टूटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विदेशी कोषों की निकासी के बीच उपयोगिता, पूंजीगत उत्पाद और धातु शेयरों में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स 500 से अधिक अंक टूट गया, जबकि निफ्टी 24,200 अंक के स्तर से नीचे आ गया। कारोबारियों ने कहा कि नीतिगत ब्याज दर में कटौती पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व का फैसला आने के पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे कारोबारी धारणा पर असर पड़ा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 502.25 अंक यानी 0.62 प्रतिशत गिरकर 80,182.20 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 634.38 अंक लुढ़ककर 80,050.07 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 137.15 अंक यानी 0.56 प्रतिशत गिरकर 24,198.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फाइनेंस में प्रमुख रूप से गिरावट रही। इसके उलट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

किसानों के सुझाव और मांग के लिए न्यायालय के दरवाजे हमेशा खुले हैं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसानों के साथ लगातार विस्तृत बैठकें की गईं, लेकिन उन्होंने शीर्ष अदालत द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के साथ बातचीत करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ को पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने सूचित किया कि समिति ने उन्हें 17 दिसंबर को आमंत्रित किया था, लेकिन प्रदर्शनकारी किसानों ने उनसे बात नहीं की।

सिंह ने कहा कि राज्य सरकार प्रतिदिन किसानों को मनाने का प्रयास कर रही है और उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें अपनी मांगों को सीधे अदालत में रखने की अनुमति दी जा सकती है। उच्चतम न्यायालय ने कहा, ''हम स्पष्ट करते हैं कि किसानों द्वारा सीधे या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से दिए गए किसी भी सुझाव या मांग के लिए अदालत के दरवाजे हमेशा खुले हैं।''

उच्चतम न्यायालय ने डल्लेवाल की स्वास्थ्य स्थिति का भी संज्ञान लिया और पंजाब सरकार को बिना देरी किए चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

महाराष्ट्र विधानसभा में 'शहरी नक्सलवाद' से निपटने के लिए विधेयक दोबारा पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य विधानसभा में विशेष लोक सुरक्षा विधेयक दोबारा पेश किया। उन्होंने कहा कि प्रास्तावित कानून का उद्देश्य वास्तविक असहमति की आवाजों को दबाना नहीं, बल्कि शहरी नक्सलियों के पनाहगाहों को समाप्त करना है।

एकनाथ शिंदे नीत पूर्ववर्ती महायुति गठबंधन सरकार ने इस साल जुलाई में मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में 'महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा अधिनियम, 2024' नाम से यह विधेयक पेश किया था। हालांकि, उस समय यह पारित नहीं हो पाया था।

विधानसभा चुनाव के बाद फडणवीस के नेतृत्व में आई नई सरकार ने सदन में इस विधेयक को दोबारा पेश किया है। सदन में विधेयक पेश करते हुए फडणवीस ने कहा कि इसे राज्य विधानमंडल की संयुक्त प्रवर समिति को भेजा जाएगा ताकि इससे संबंधित सभी संदेह दूर किए जा सकें। उन्होंने कहा कि हितधारकों की राय पर विचार किया जाएगा और विधेयक को अगले वर्ष जुलाई में मुंबई में होने वाले राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र में मंजूरी दी जाएगी। फडणवीस ने कहा, ''नक्सलवाद केवल सुदूर ग्रामीण इलाकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शहरी इलाकों में भी ऐसे संगठन उभर आए हैं जो देश और इसकी संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने का काम करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''यहां तक कि महाराष्ट्र में नक्सल विरोधी दस्ते भी शहरी नक्सलियों की गतिविधियों को रोकने के लिए ऐसा कानून चाहते हैं। इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य वास्तविक असहमति की आवाजों को दबाना नहीं है, बल्कि शहरी नक्सलियों के ठिकानों को बंद करना है।''

कांग्रेस नेता नाना पटोले ने सवाल उठाया कि जब मौजूदा कानूनों में नक्सलवाद से निपटने के प्रावधान हैं तो अलग कानून की क्या जरूरत है। इस पर फडणवीस ने जवाब दिया कि महाराष्ट्र में नक्सलवाद से निपटने के लिए कोई कानून नहीं है।

ग्राम न्यायालय स्थापित करने के लिए पूरे देश में एक फार्मूल नहीं हो सकता : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि ग्राम न्यायालयों की स्थापना के लिए पूरे देश के लिए ''एक समान फार्मूला'' नहीं हो सकता, क्योंकि स्थिति राज्य दर राज्य निर्भर करेगी। संसद ने 2008 में एक कानून पारित किया था जिसमें नागरिकों को उनके घर के निकट न्याय उपलब्ध कराने के लिए जमीनी स्तर पर ग्राम न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान किया गया था। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया गया था कि सामाजिक, आर्थिक या अन्य परेशानियों की वजह किसी को भी न्याय प्राप्त करने के अवसरों से वंचित न किया जाए।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें केंद्र और सभी

राज्यों को शीर्ष अदालत की निगरानी में ग्राम न्यायालय स्थापित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने कहा, ''आप पूरे देश के लिए एक समान फार्मूला नहीं अपना सकते।'' शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील की इस दलील पर संज्ञान लिया कि यहां ग्राम न्यायालय स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में कोई ग्राम पंचायत नहीं है। पीठ ने कहा, ''स्थिति राज्य दर राज्य निर्भर करेगी, कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में वैकल्पिक पारंपरिक प्रणालियां हैं और इसलिए इनमें से कुछ राज्यों में काम कर रहे न्यायालयों के पास पर्याप्त काम नहीं है।'' इस संबंध में गैर सरकारी संगठन नेशनल फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज फॉर फास्ट जस्टिस एवं अन्य ने याचिका दाखिल की थी। उनकी ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह सर्वविदित है कि भारत की अदालतों में कितने मामले लंबित हैं। संभवतः कोई भी राज्य यह नहीं कह सकता कि उनके न्यायालय सभी मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। पीठ ने कहा कि इन सभी प्रश्नों का समाधान राज्य के विशिष्ट मुद्दों को ध्यान में रखकर करना होगा।

मुडा घोटाला

शिकायतकर्ता ने लालच देने और दबाव डालने का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक में जिस आरटीआई कार्यकर्ता की शिकायत पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले में मामला दर्ज किया गया था, उसने कहा है कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती बी. एम. का निजी सहायक होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने उसे और उसके बेटे को लालच देने व दबाव बनाने का प्रयास किया है।

स्नेहमयी कृष्णा ने बुधवार को कहा कि उनसे मामले में सीबीआई जांच की मांग न करने को कहा गया था। सिद्दरामय्या पर आरोप है कि एमयूडीए ने उनकी पत्नी की 'अधिग्रहीत' भूमि के बदले उन्हें 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितता की है। कृष्णा ने कहा, 13 दिसंबर को जब मैं एमयूडीए के पास था, तो मेरी जानकार श्रीनिधि नामक महिला मुझसे मिली और हर्ष नामक व्यक्ति से परिचय कराया। हर्ष ने दावा किया कि वह पार्वती का निजी सहायक है और पार्वती मानसिक रूप से परेशान है, इसलिए मैं एमयूडीए मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए दबाव न डालूं और लोकायुक्त जांच जारी रहने दूं। कृष्णा ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि अगर मैं सहयोग करूंगा तो वह मुझे मुंह मांगी रकम देगा। कृष्णा ने कहा कि जब वह इस पर सहमत नहीं हुए तो हर्ष ने उन्हें समझाने की कोशिश करते हुए कहा कि पार्वती निर्दोष हैं, उन्हें कुछ भी पता नहीं है और मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू तथा सी टी कुमार ने उन्हें धोखा दिया है। कृष्णा ने कहा, मैंने उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया कि पार्वती पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं कि उनके साथ धोखा हुआ है। जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि 14 दिसंबर को जब वह शहर से बाहर थे, हर्ष और श्रीनिधि उनके घर के पास उनके बेटे के पास आए और उसे लालच देने और दबाव बनाने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, उन्होंने मेरे बेटे को पैसों से भरे बैग का वीडियो भी दिखाया, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह किसी गंगाराजू नाम के व्यक्ति को दिया गया था। उन्होंने मेरे बेटे से मुझे मनाने के लिए कहा। मेरे बेटे ने उनकी बात नहीं मानी और उन्हें वापस भेज दिया।

अम्बेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी आरएसएस की लंबे समय से चली आ रही विचारधारा का हिस्सा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बी. आर. अम्बेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के लिए बुधवार को उनपर निशाना साधा और कहा कि यह संविधान निर्माता का अपमान है। सिद्दरामय्या ने कहा कि संसद में शाह की टिप्पणी लंबे समय से चली आ रही आरएसएस विचारधारा का ही हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अम्बेडकर के योगदान के बिना शाह गृह मंत्री और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। मुख्यमंत्री राज्यसभा में की गई शाह की टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे।

शाह ने कहा था, 'अभी एक फैशन हो गया है – अम्बेडकर, अम्बेडकर, अम्बेडकर, अम्बेडकर, अम्बेडकर, अम्बेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।' मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उनके (सिद्दरामय्या) लिए अम्बेडकर कोई 'फैशन' नहीं बल्कि 'शाश्वत प्रेरणा' हैं। शाह को लिखे एक पत्र में सिद्दरामय्या ने कहा, सबसे पहले, मैं आपको बधाई देता हूं कि क्योंकि आपने डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के बारे में भाजपा की वास्तविक राय को खुले तौर पर उजागर करके सच बोला है। संसद में आपके बयान से हमें आश्चर्य नहीं हुआ, हम पहले से ही आपकी पार्टी की असली मानसिकता जानते थे। लेकिन अब पूरे देश ने भारतीय संविधान के निर्माता के प्रति आपके अनादर को देख लिया है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि यह कहकर देश को गुमराह करने की कोशिश न करें कि बाबासाहेब के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है और मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। उन्होंने कहा, हम भोले नहीं हैं।

अपने बयान पर कायम रहें और देश का सामना करें। हमारे लिए अम्बेडकर एक फैशन नहीं बल्कि एक शाश्वत प्रेरणा हैं।'' सिद्दरामय्या ने पत्र में कहा कि जब तक हम सांस लेते रहेंगे, जब तक सूर्य और चंद्रमा इस धरती पर चमकते रहेंगे, अम्बेडकर की विरासत कायम रहेगी।

देश विकास में कर्नाटक प्रदेश का सर्वोच्च योगदान होना चाहिए : नरेन्द्र मोदी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र येड्डीयुरप्पा ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र येड्डीयुरप्पा ने बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण करने के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर विजेन्द्र ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण की महान आकांक्षा के साथ एक तपस्वी की तरह देश निर्माण के कार्य में स्वयं को समर्पित करने वाले हमारे प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली हम जैसे कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत है। उनके आशीर्वादपूर्ण मार्गदर्शन ने राज्य में पार्टी के निर्माण के कार्य के लिए अदम्य उत्साह भर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विजेन्द्र येड्डीयुरप्पा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के आर्थिक, व्यावसायिक और शैक्षिक क्षेत्रों की प्रगति वैश्विक स्तर पर सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करने में कर्नाटक का योगदान सबसे आगे होना चाहिए और केंद्र सरकार की योजनाएं लोगों तक पहुंचनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन उपलब्धियों के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को एक नियोजित कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

एसडीआई में 19वें सॉफ्टवेयर इंजीनियर कोर्स की स्नातक परेड़ हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एसडीआई) में 19वें सॉफ्टवेयर इंजीनियर कोर्स (एसईसी) की औपचारिक पासिंग आउट परेड बुधवार को हुई। यह आयोजन 24 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण के सफल समापन के उपलक्ष्य में हुआ।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स) शाखा के कुल तीन अधिकारियों ने इस कोर्स से स्नातक किया। इन अधिकारियों को अब एवियोनिक्स सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में एसडीआई में नियुक्त किया जाएगा।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह थे। उनका स्वागत सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल केएन संतोष ने किया। इस समारोह में डीआरडीओ, डीपीएसयू और बेंगलूरु क्षेत्र के अन्य प्रतिष्ठानों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने स्नातक अधिकारियों को बधाई दी। अपने संबोधन में वाइस एडमिरल ने भारतीय वायुसेना की संचालन क्षमता को बढ़ाने और प्रगति करने में एसईसी स्नातकों द्वारा निभाई जाने वाली महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने युवा इंजीनियरिंग अधिकारियों से कहा कि वे अपने कौशल को निरंतर उन्नत करते हुए तथा अडिग व्यवहार बनाए रखते हुए तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल बनाए रखें।

मुलाकात

कर्नाटक के पूर्व मंत्री एमपी रेणुकाचार्य ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की।

केरल सरकार ने विवादित आईपीएस अधिकारी को पदोन्नत कर डीजीपी रैंक दिया

तिरुनवंतरपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी एम. आर. अजित कुमार को पदोन्ति दे कर उन्हें एडीजीपी से डीजीपी स्तर का अधिकारी बनाने का फैसला किया। अजित कुमार हाल में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) नेताओं के साथ 'विवादित बैठकें' करने की वजह से सुर्खियों में आए थे।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीबी माने जाने वाले अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी)स्तर के अधिकारी कुमार को विवादों और आरोपों के बाद अक्टूबर में राज्य की कानून और व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारियों से हटाकर सशस्त्र पुलिस बटालियन में तैनात कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री विजयन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हालांकि उनकी पदोन्नति को मंजूरी देने का फैसला किया गया। कुमार 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी है और उन्हें शीर्ष पद पर पदोन्नत किया जाएगा।

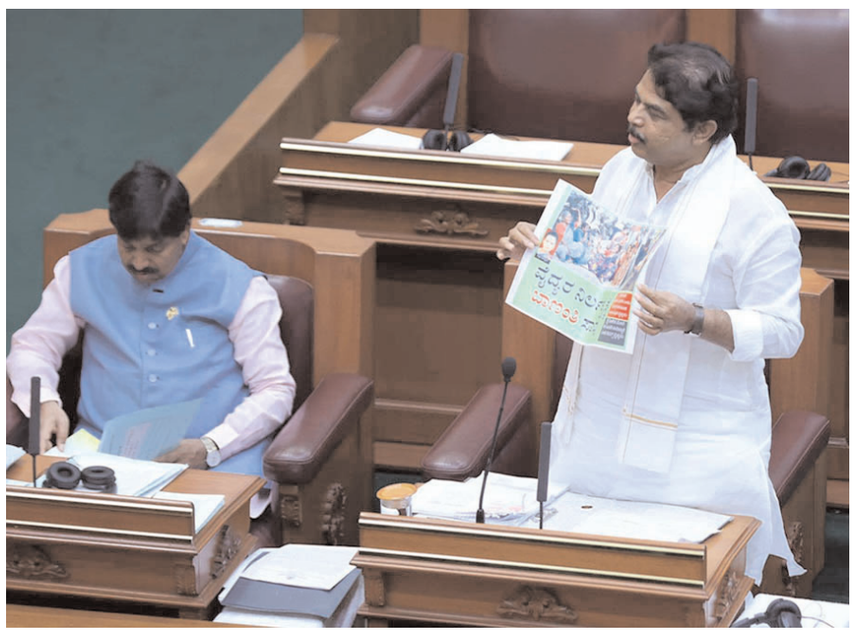

कर्नाटक में मातृ मृत्यु को लेकर भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक भाजपा ने राज्य में हाल में हुई मातृ मृत्यु को लेकर बुधवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि चिकित्सा विभाग स्वयं बीमार है और चिकित्सा माफिया के नियंत्रण में है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने राज्य विधानसभा में यह टिप्पणी की और दावा किया कि यह समस्या केवल बेल्लारी तक ही सीमित नहीं है, जहां एक महीने में पांच मौतें हुई हैं, बल्कि रायचूर, चित्रदुर्गा और दावणगेरे में भी यह समस्या देखी गई है। विपक्ष के नेता ने कहा कि घटिया दवाओं की आपूर्ति के कारण विभाग बीमार है, जिसके परिणामस्वरूप मातृ मृत्यु हो रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार को मातृ मृत्यु की जांच के लिए उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश देना चाहिए।

अशोक ने आरोप लगाया, निलंबित किए गए औषधि निरीक्षक (डॉ. उमेश एस) ने मुझे बताया कि उन्होंने दो महीने पहले ही कार्यभार संभाला है, जबकि मौतों के लिए जिम्मेदार दवाएं छह महीने पहले ही आपूर्ति की गई थीं। आपको अपनी जान बचाने के लिए बलि का बकरा चाहिए था। उन्होंने मामले की गहन जांच और कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग को घटिया दवाएं आपूर्ति करने वाले निर्माता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

भाजपा नेता ने कहा, कंपनी को काली सूची में डालना पर्याप्त नहीं है। आपको मेडिकल माफिया पर नियंत्रण करने की जरूरत है। आपको सरकारी अस्पतालों में लोगों का विश्वास वापस लाना होगा और गरीब लोगों के पक्ष में खड़ा होना होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दवाइयां जिनका मनोवैज्ञानिक प्रभाव होता है, नशे के आदी लोगों को बेची जा रही हैं,

चोल काल का 725 साल पुराना शिलालेख मिला

सेलम/दक्षिण भारत । तमिलनाडु के सेलम के नेथिमेदु इलाके में चोल काल का 725 साल पुराना शिलालेख मिला है। तीसरे कुलोत्तुंग चोल (1190 ई.) के शासनकाल का यह शिलालेख पेरुमल मंदिर के पास मिला है। मंदिर से भगवान शिव और देवी आमशाई की मूर्तियों के गायब होने की शिकायत दर्ज होने के बाद यह खोज की गई। तिरुथोंदार सभा, राजस्व विभाग के अधिकारियों, पुरातत्व विभाग के अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों द्वारा जांच की गई। टीम को जांच के दौरान भगवान शिव, देवी आमशाई, बैरवा और चंडीकेश्वर की गायब मूर्तियां मिलीं। मूर्तियां बहुत प्राचीन पाई गईं और शिवाचार्यों द्वारा विशेष पूजा की गई थी।

थिरुथोंदार सभा के अध्यक्ष अल्ली कुट्टई राधाकृष्णन ने मांग की कि हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग और राजस्व विभाग मिलकर गायब मूर्तियों की जांच करें और मंदिर की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जांच के लिए अदालत में मामला दायर किया जाएगा।

राधाकृष्णन ने कहा कि जांच जारी है और और भी मूर्तियां मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मूर्तियों के गायब होने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे पुलिस प्रमुखों के सम्मेलन में यात्री सुरक्षा पर जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। यहां प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के समन्वय में रेल मंत्रालय के साथ राजकीय रेलवे पुलिस प्रमुखों का 5वां अखिल भारतीय सम्मेलन बुधवार को यहां नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार के भाषण के साथ सम्मेलन की शुरुआत हुई। उन्होंने यात्री शिकायतों और मामलों के दर्ज करने पर विशेष ध्यान देने के साथ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जीआरपी और आरपीएफ के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते', ऑपरेशन 'आहट' और 'मेरी सहेली' जैसी विभिन्न पहलों के जरिए रेलवे में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ के प्रयासों की भी सराहना की। डीजी आरपीएफ मनोज यादव ने बढ़ते यात्री अपराधों को संभालने में सुरक्षा ढांचे के आधुनिकीकरण की जरूरत पर जोर दिया। इस दौरान रेल मदद पोर्टल पर दर्ज यात्री शिकायतों और वास्तविक रूप से दर्ज किए जा रहे मामलों के तुलनात्मक विश्लेषण पर चर्चा की गई। नए आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन एक प्रमुख केंद्र बिंदु था। इसमें जीरो एफआईआर के कुशल प्रबंधन और राज्यों में तेजी से अपराध रिपोर्टिंग, सुव्यवस्थित साक्ष्य प्रबंधन और प्रभावी जांच को सुविधाजनक बनाने के लिए ई-एफआईआर सिस्टम के एकीकरण की जरूरत पर प्रकाश डाला गया।

'गृहलक्ष्मी योजना' का लाभ सीधे तौर पर वंचितों तक पहुंच रहा है : लक्ष्मी हेब्बालकर

'गृहलक्ष्मी योजना' लाभार्थियों के साथ सुवर्णसौधा आईं मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। शहर के सुवर्णाविधानसौधा में चल रहे शीतकालीन सत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर 'गृहलक्ष्मी योजना' के कुछ चयनित लाभार्थियों के साथ एक विशेष वाहन में कुवेम्पु शहर में अपने आवास से सुवर्णा सौधा पहुंची। प्रदेश गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित एक समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने कहा लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि हमारा उद्देश्य बिना किसी बिचौलियों के सभी तक विकास परियोजनाएं आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाना है।

सरकारी योजनाएं समाज के सबसे वंचित लोगों तक भी पहुंचनी चाहिए। गृहलक्ष्मी योजना से हर महीने मिलने वाले 2 हजार रुपए से लाखों लड़कियों को मदद मिली है। बेलगावी में गृहलक्ष्मी योजना के फंड से लाइब्रेरी खोली गई। सचिव लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि गृहलक्ष्मी योजना के फंड से गरीब महिलाओं को आंखों की सर्जरी, मेडिकल खर्च, बच्चों की स्कूल फीस, बच्चों को वाहन सुविधा देना जैसे कई तरह से मदद मिल रही है। गृह लक्ष्मी योजना का पैसा गृह लक्ष्मी के साथ-साथ थर्ड जेंडरों तक भी पहुंचाया जा रहा है। जब लाभार्थी योजना के लाभ के बारे में दावा करते हैं तो योजना का क्रियान्वयन सार्थक लगता है। मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की पांच गारंटी योजनाएं हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। गृहलक्ष्मी योजना के लाभार्थियों ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

हवाई सेवा शुल्क के 120 करोड़ रुपए छोड़ने पर विचार करे केंद्र!

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र से पूछा कि क्या वह 2006 से राज्य में भारतीय वायुसेना द्वारा चलाए गए बचाव अभियानों के लिए हवाई सेवा शुल्क के रूप में मांगे गए 132 करोड़ रुपये में से लगभग 120 करोड़ रुपये छोड़ सकता है? न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति ईश्वरन एस की पीठ ने कहा कि अगर इस तरीके से 120 करोड़ रुपये उपलब्ध करा दिए गए तो इस राशि का उपयोग वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास के लिए तत्काल किया जा सकता है। पीठ ने केंद्र से कहा कि वह 120 करोड़ रुपये अस्थायी रूप से उपलब्ध कराने की अनुमति देने और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ)/राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) मानदंडों में ढील देने पर विचार करे ताकि इस राशि का उपयोग पुनर्वास उद्देश्य के लिए किया जा सके।

अदालत ने कहा, यह एक नेक उद्देश्य के लिए है, इसलिए केंद्र सरकार को इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अदालत ने इस पहलू पर केंद्र के जवाब की प्रतीक्षा के लिए मामले की अगली सुनवाई 10 जनवरी 2025 को नियत की।

हर वर्ग और हर जन की सेवा ही राज्य सरकार का संकल्प : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि हर वर्ग और हर जन की सेवा ही राज्य सरकार का संकल्प है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के लोक कल्याणकारी फैसलों से पूरे राज्य में उत्साह का माहौल है।

शर्मा ने शाहपुरा में केंद्रीय बस स्टैंड पर शूरवीर योद्धा महाराणा प्रताप की मूर्ति और उम्मेद सागर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मूर्ति का अनावरण किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार ने पूर्ण लगन और समर्पण से काम करते हुए अपना एक वर्ष उत्कृष्टता के साथ पूरा किया है। इस एक साल में राज्य सरकार ने कई उपलब्धियां हासिल कीं और राज्य के हर वर्ग और हर जन की सेवा को ही संकल्प मानकर निरंतर काम कर रही।'' आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि पहले ही वर्ष में राज्य सरकार ने 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' कर राज्य के विकास और समृद्धि की नींव रखी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से 35 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के करार हुए, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ ही हमारे युवाओं के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित करेंगे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जयपुर में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री ने राजस्थान को एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। उन्होंने कहा, ''पिछले एक साल के दौरान राज्य सरकार के लोककल्याणकारी फैसलों से पूरे राजस्थान में उत्साह का माहौल बना है। प्रदेश में अच्छे मानसून और पानी से लबालब भरे बांधों ने इस उत्साह को और ऊंचाई दी है।''

इससे पहले, शर्मा सुबह जयपुर के आराध्य श्री गोविंद देवजी मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर के महंत ने शर्मा को श्री गोविंद देवजी का चित्र भेंट किया।

कालिका पेट्रोलिंग दल का हरी झण्डी दिखाकर किया शुभारंभ

बारां/एजेन्सी। राजस्थान में बारां जिले में कालिका यूनिट का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जिला स्तर पर कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन किया गया है। इस विशेष यूनिट को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी एवं राकेश शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसंधान शाखा बारां द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाएगी। इसके माध्यम से संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान किया जाएगा।

पेट्रोलिंग यूनिट में प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, जो हर समय सतर्क रहकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का काम करेंगे। स्कूल, धार्मिक स्थल, कॉलेज, बाजार, सिनेमा हॉल, मॉल, पार्क, पर्यटन स्थल और संवेदनशील स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा और मनचलों को सबक सिखाने के लिए पुलिस ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन किया है, जिसमें नीली यूनिफॉर्म पहने महिला कांस्टेबल ब्लैक स्कूटी के साथ तैनात होगी। टीम के पास वायरलेस किट होगा। वायरलेस पर सूचना मिलते ही टीम उस दिशा में शीघ्र पहुंचेगी। मोबाइल पर महिला हेल्पलाइन नंबर से आने वाली कॉल भी वायरलैस पर स्थानांतरित हो जायेगी। यह यूनिट अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की देखरेख में रहेगी।

राजस्थान में आगामी सत्र से नौ जिलों में शुरू होगा स्थानीय भाषा में शिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रदेश में लागू होने के बाद अब अगले सत्र से प्रदेश के नौ जिलों में स्थानीय भाषा में बाल वाटिकाओं में शिक्षण कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

दिलावार आज यहां आयोजित राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की स्थानीय भाषा आधारित बाल साहित्य एवं शिक्षा सामग्री की प्रदर्शनी तथा बुनियादी साक्षरता के नवाचारों पर सेमिनार को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने पाठ्यक्रम तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दो जिलों सिरोही और डूंगरपुर में पायलट कार्यक्रम के रूप में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अगले सत्र से इसे नौ जिलों में चलाया जाएगा। साथ ही सत्र 2026 से ये कार्यक्रम प्रदेश के 25 जिलों में संचालित किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने स्थानीय भाषा के उपयोग एवं उसके माध्यम से बच्चे को सिखाने के तरीके पर विशेष ध्यान आकर्षण करते हुए कहा कि बच्चे जब अपने परिवेश में कोई भाषा सीखते हैं तो उनके सीखने का समय और समझ बहुत ही जल्दी विकसित होती है। राजस्थान में कई तरह की बोलियां बोली जाती है और शिक्षक और बच्चों की भाषा अलग-अलग होने के कारण बच्चों को स्कूल की भाषा सीखने में थोड़ी परेशानी होती है। पाठ्यक्रम और शुरुआती वर्षों में शिक्षण कार्य स्थानीय भाषा में ही होना चाहिए जिससे कि बच्चे आसानी से स्कूल की भाषा को सीख पाए। कार्यक्रम में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की निदेशक श्वेता फागेडीया तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बुजुर्ग महिला जमुनादेवी हत्याकांड का खुलासा, युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़/एजेन्सी। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बुजुर्ग महिला की हत्या का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक अरशद अली ने मंगलवार शाम को पत्रकारों को बताया कि इस हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस पर नजर रखने के कारण शक के घेरे में आया युवक ही गांव में अकेली रहने वाली बुजुर्ग महिला की हत्या करने वाला निकला। उसे आज गिरफ्तार कर लिया गया। इसके साथ ही हत्याकांड की पूरी वारदात का खुलासा हो गया। उन्होंने बताया कि खाराखेड़ा गांव में विगत शनिवार की दोपहर को घर में अकेली रहने वाली एक बुजुर्ग महिला जमुना देवी की हत्या करने के आरोप में उसके घर के सामने ही कुछ दूरी पर खेत में बनी ढाणी में रहने वाले एक युवक हरिसिंह उर्फ राजू बावरी (32) को गिरफ्तार किया गया है। विगत शनिवार को हरिसिंह उर्फ राजू अपने खेत में काम कर रहा था वह नशे की हालत में था।

इसी दौरान वह लूटपाट करने के इरादे से जमुना देवी के घर आ गया। उसके पहनी हुई सोने की बालियां जबरदस्ती छीनने लगा तो जमुनादेवी ने विरोध किया। तभी उसने तेज धार वाली कस्सी से उस पर ताबड़तोड़ वार किए। जमुनादेवी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद राजू घर के एक कमरे में रखें संदूक एवं अन्य सामान की तलाशी लेने लगा। उसके हाथ सोने की एक अंगूठी, तीन चार मोहरें और एक जोड़ी चांदी की पाजेब लगी, जिसे वह लेकर सामने कुछ दूरी पर खेत में बनी अपनी ढाणी में चला गया और सामान्य रूप से अपने खेत में काम करने लगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू किये जाने की जरूरत : राज्यपाल बागडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत बताते हुए बुधवार को कहा कि यह नीति ऐसी है, जिससे भारत आने वाले समय में वैश्विक ज्ञान में महाशक्ति बन सकेगा।

बागडे बुधवार को राजस्थान विश्वविद्यालय, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति नैतिक मूल्यों से मनुष्य को जोड़ने वाली है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप में लागू करने और शिक्षकों को इसमें अपना महती भागीदारी निभाने का आह्वान किया। राजभवन के बयान के अनुसार बागडे ने कहा कि शिक्षा पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन ही नहीं है बल्कि यह व्यक्ति को मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत करने का मार्ग भी है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चर्चा करते हुए कहा कि वह सदा व्यक्ति नहीं समग्र पर जोर देते थे और नई शिक्षा नीति इसी दृष्टिकोण से जुड़ी है। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में मानव मूल्यों को ही प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षक नए से नए ज्ञान से अपने को जोड़े रखेगा तभी विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता का निर्माण कर पाएगा। उन्होंने कहा, ''मैकाले ने भारतीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से पश्चिमीकरण करने का प्रयास किया। देश में शिक्षा आयोग और नीतियां बनी लेकिन हम पश्चिम की सोच से मुक्त नहीं हुए।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा में मातृभाषा और जीवन व्यवहार की शिक्षा जरूरी है और नई शिक्षा नीति इसी से जुड़ी है। देश में पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली की शुरुआत लॉर्ड मैकाले ने की थी।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने नई शिक्षा नीति को प्राचीन भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा से जुड़ा बताते हुए कहा कि दशकों तक शिक्षा में जड़ता रही है।

उन्होंने कहा कि रटने पर ही शिक्षा में जोर दिया जाता रहा है लेकिन नई शिक्षा नीति समता आधारित समाज निर्माण के साथ समावेशी दृष्टिकोण के जरिये समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देने वाली है।

राजस्थान के अनेक इलाके शीतलहर व कोहरे की चपेट में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के अनेक इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और लगातार शीतलहर जारी है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। इस दौरान कहीं-कहीं शीतलहर से अति शीतलहर दर्ज की गयी। पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं कोहरा भी छाया रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान सीकर के फतेहपुर में 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। संगरिया में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री, चुरू में 1.8 डिग्री, नागौर में 1.9 डिग्री, सीकर में 2.8 डिग्री, करौली में 3.4 डिग्री, पिलानी में 4.1 डिग्री व बीकानेर में 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार चार पांच दिन राज्य में मौसम शुष्क रहेगा हालांकि कमजोर पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। राज्य में शीतलहर व कहीं-कहीं अति शीतलहर का दौर चार पांच दिन जारी रहने का अनुमान है।

कांग्रेस ने अडानी मामले एवं मणिपुर हिंसा के विरोध में जयपुर में किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान की राजधानी जयपुर में कांग्रेस ने उद्योगपति गौतम अडानी एवं उनके सहयोगियों पर अमरीका के न्याय विभाग द्वारा लगाये गये आरोपों पर केन्द्र सरकार की जांच कराने में उदासीनता एवं मणिपुर हिंसा के विरोध में बुधवार को प्रदर्शन किया।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कमेटी द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस के लोगों ने शहीद स्मारक पर धरने के रूप में एकत्रित होकर राजभवन के लिये पैदल मार्च निकालकर विरोध-प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पार्टी के महासचिव सचिन पायलट, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक, विधायक प्रत्याशी, प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस अवसर पर डोटासरा ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले दस वर्ष से देश की सम्पदा लूटी जा रही है, देश के प्रधानमंत्री चुनिन्दा उद्योगपति मित्रों को देश की सम्पदा का मालिक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों को लूटा जा रहा है, सेबी पर आरोप है कि वह कर्तव्यनिर्वहन की बजाए चुप्पी लगाई बैठी है। उन्होंने कहा कि आरोप तो यह भी लगे है कि देश में शैल कम्पनियों के मार्फत पैसा आ रहा है, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में पूछा की शैल कम्पनियों के माध्यम से आया यह कालाधन भाजपा नेताओं का तो नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि यह कालाधन भाजपा नेताओं का नहीं है तो श्री मोदी को इन आरोपों का खण्डन करना चाहिये। उन्होंने कहा कि देश का नौजवान कैसे शिक्षित हो, उसे रोजगार कैसे मिले, किसान कैसे मजबूत हो, इसकी भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह परेशानी है कि संविधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का नाम क्यों है, वे इसे बदलना चाहते हैं। श्री डोटासरा ने कहा कि श्री मोदी जयपुर आये और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तारीफ कर रहे हैं लेकिन कोई यह नहीं बता रहा है कि राजस्थान के विकास के लिये केन्द्र ने कोई एक पैसा भी दिया हो।

डोटासरा ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में आज कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है, बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं, कोई सुध लेने वाला नहीं है। प्रदेश में नौकरशाही हावी हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री केवल भ्रमण कर रहे हैं और नौजवान उनसे रोजगार पर जवाब मांग रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आज मुख्यमंत्री की नहीं चल रही है, मंत्रियों और विधायकों की नहीं चल रही है। उन्होंने कहा कि हद हो गई जब शहरी एवं ग्रामीण नगर निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं में जो हमारे जनप्रतिनिधि विकास के कार्य करते थे उनके अधिकार भी सरकार ने छीनने की शुरूआत भी कर दी गई है और 59 नगर निकायों में प्रशासक लगा दिये हैं।

इस मौके गहलोत ने कहा कि आज देश में जो हालात हैं वह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि देश में मंहगाई बढ़ रही है, बेरोजगारी बढ़ रही है, मजदूरों की समस्या है, देश में आर्थिक संकट है, किसानों की समस्यायें हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा देश को मूल मुद्दों से भटकाने के लिए अडानी, अम्बानी जैसे विषयों पर उलझाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान आन्दोलन कर रहे हैं, उस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

आंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी निंदनीय : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की एक कथित टिप्पणी की आलोचना करते हुए उसे ''निंदनीय'' बताया है।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कल राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी निंदनीय है। गहलोत के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी, गृह मंत्री अमित शाह की इसी सोच का बार-बार जिक्र करते हैं जिसकी मंशा भारत के संविधान को बदलने की है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, अमित शाह की टिप्पणी भाजपा की संविधान और बाबासाहेब आंबेडकर विरोधी सोच को उजागर करती है इसलिए ही उन्हें बाबासाहेब आंबेडकर का नाम सुनने में भी आपत्ति हो रही है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश जारी किया जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं , ''अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।''

'मिशन सेफ' के तहत ट्रक चालकों को वितरित किये गये चश्मे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर/एजेन्सी। राजस्थान में अजमेर संभाग के ब्यावर जिले में 'मिशन सेफ' अभियान के तहत आयोजित शिविर में बुधवार को 170 ट्रक चालकों की निशुल्क दृष्टि जांच करके चश्मों का वितरण किया गया। ब्यावर कलेक्टर डॉ महेंद्र खड़गावत की प्रेरणा से जिला प्रशासन के नवाचार मिशन सेफ का प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने पोस्टर विमोचन के साथ विधिवत शुभारंभ 13 दिसंबर को किया था।

डॉ खड़गावत ने आज शिविर का अवलोकन करने के बाद बताया कि जिला प्रशासन के राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले समस्त ट्रक चालकों के लिये निःशुल्क दृष्टि जांच शिविर का आयोजन करके कमजोर दृष्टि वाले ट्रक चालकों को चश्मे प्रदान किये गये।

शिविर का आयोजन पिपलाज टोल पर किया गया। उक्त नवाचार कार्यक्रम जिला प्रशासन के प्रेरणास्वरुप 'एक पहल फाउंडेशन शिक्षा ट्रस्ट' के सहयोग से आयोजित हो रहा है।

हम जनता की संपत्ति औने-पौने दाम पर व्यक्ति विशेष को देने के खिलाफ : पायलट

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा है कि हम उद्योगपतियों के विरोधी नहीं है, जनता की संपत्ति को औने-पौने दाम पर व्यक्ति विशेष को दिया जा रहा है, इसके खिलाफ है। पायलट शहीद स्मारक पर प्रदेश कांग्रेस के अड़ानी रिश्वत मामले एवं मणिपुर हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एवं राजभवन मार्च में शामिल होकर अपने उद्बोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा गत चार जून को लोकसभा के परिणाम के बाद जिस प्रकार की आक्रमण रणनीति को भाजपा सरकार अंजाम दे रही है। किस तरह से देश की प्रतिष्ठा को कुछ चुनिंदा लोगों के हाथ में दिया जा चुका है। उन्होंने कहा हम उद्योगपतियों के विरोधी नहीं है निवेश का रास्ता पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने खोला था, जनता की संपत्ति को औने-पौने दाम पर व्यक्ति विशेष को दिया जा रहा है। हम इसके खिलाफ है। यही भाजपा सरकार बैंकों से इन चुनिंदा लोगों को लोन दे रही है। एक व्यक्ति के हाथ में देश की अर्थव्यवस्था देना गलत है, हम उद्योगपतियों के खिलाफ नहीं है। आज जो 3 ट्रिलियन , 4 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था जो हमारी बन रही हैं। उसकी नींव कांग्रेस पार्टी ने रखी थी। देश की संपत्ति चुन चुनकर किसी एक व्यक्ति को दे दो। यह गलत है। सरकारी बैंकों से कर्जा दिलवाकर उसे दे दो गलत है।

सभी प्रयासों के बावजूद पकड़ में नहीं आ रहा तेंदुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर/एजेन्सी। राजस्थान में अलवर के राज ऋषि कॉलेज में 18 दिन से घूम रहे तेंदुए को अब तक नहीं पकड़ा जा सका है।

मंगलवार रात वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे में मृत श्वान लगाया जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अधिकारी बचाव की मुद्रा में हैं, वहीं श्वान के लिए काम करने वाले संगठनों ने इसका विरोध भी किया है। गत 18 दिन से पकड़ने के लिए सभी प्रयास किए गए, लेकिन अब तक पकड़ में नहीं आया, तो तेंदुए का पसंदीदा भोजन कुत्ता पिंजरे में लगाया गया जिंदा कुत्ता लगा नहीं सकते थे, इसलिए उन्होंने मृत कुत्ता लगाया।

अलवर डिवीजन की वन अधिकारी काव्या बी ने बताया कि 18 दिन से तेंदुआ पकड़ में नहीं आ रहा है। उसकी गतिविधियों की जानकारी भी मिल रही थी, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ रहा है। मंगलवार को शांतिकुंज में एक दुर्घटना में मारे गये कुत्ते को पिंजरे में रखा गया जिसके लिए सभी से सहमति ली गई। नगर निगम की स्वीकृति के बाद ही उसे इसमें रखा गया था। उन्होंने कहा कि यह सही है कि कुत्ते को नहीं रखना चाहिए, लेकिन एक मृत कुत्ते को रखा गया था। वैसे तो पूरी टीम लगी हुई है। अलवर और सरिस्का रेंज के चार कर्मचारी लगातार काम कर रहे हैं। पिंजरे में मांस रखते हैं। झालाना जयपुर से बड़ा पिंजरा मंगाया गया है जिसको भी मंदिर के पास रखा है। उसके बाद भी तेंदुआ उसमें नहीं आया क्योंकि वह प्राकृतिक शिकार पर ज्यादा ध्यान देता है। उधर वनविभाग के सूत्रों ने बताया कि तेंदुए के पगमार्क कई जगह मिलने से उसकी सही स्थिति का पता नहीं चल पा रहा है। स्वरूप विलास होटल के पीछे, उसकी दीवार पर इसके अलावा आरआर कॉलेज के पास बने हनुमान मंदिर में उसकी गतिविधियां देखी गई हैं। सबसे ज्यादा उसे हनुमान मंदिर के पास देखा गया है। कॉलेज प्रशासन द्वारा पांच बजे कैंपस खाली करा लिया जाता है। रात्रि कालीन कॉलेज के गार्ड को भी सुरक्षा में रहने की निर्देश दिए हैं। उधर तेंदुए के पकड़े नहीं जाने के कारण पांच कॉलोनी के वाशिंदे दहशत में हैं।

राजस्थान : रिश्वत लेते पकड़े गए अभियंता के घर नौ लाख रुपए की नकदी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के डूंगरपुर में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए अधीक्षण अभियंता के घर की तलाशी में नौ लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गई है और चार करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति का खुलासा हुआ है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

डूंगरपुर जिले में जलदाय विभाग में अधीक्षण अभियंता अनिल कछवाहा को ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को दो लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि आरोपी अधीक्षण अभियंता के कोटा स्थित निवास की तलाशी में 9.22 लाख रुपये नकद मिले और 4.16 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति का खुलासा हुआ।

उन्होंने कहा कि मामले में कार्रवाई जारी है और ब्यूरो आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला अलग से दर्ज करेगा।

मेहरड़ा ने बताया कि आरोपी कछवाहा को मंगलवार को परिवादी से दो लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद ब्यूरो की टीम ने उसके कोटा स्थित आवास की तलाशी ली।

उन्होंने बताया कि तलाशी में परिवादी से पहले बतौर रिश्वत लिए गए एक लाख रुपये सहित कुल 9.22 लाख रुपये नकद और 4.16 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के अनुसार, आरोपी के घर से 1.87 करोड़ रुपये से अधिक की एफडी और बचत पत्र, 1.16 करोड़ रुपये कीमत के दो भूखंड के दस्तावेज और 88.32 लाख रुपये की राशि बैंक खातों में जमा होने के दस्तावेज बरामद हुए हैं।

राजस्थान को 2-0 से हराकर बंगाल संतोष ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में

हैदराबाद/भाषा। पश्चिम बंगाल ने बुधवार को यहां ग्रुप ए में राजस्थान को 2-0 से हराकर संतोष ट्रॉफी के लिए 78वीं सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

बंगाल के लिए रबिलाल मंडी (45वें मिनट) और नारो हरि श्रेष्ठ (56वें मिनट) ने गोल दागे। ग्रुप के एक अन्य मैच में जम्मू-कश्मीर और मणिपुर का मुकाबला 1-1 से बराबर रहा।

तीन मैच के बाद 32 बार के चैंपियन बंगाल के नौ अंक है। मणिपुर के इतने ही मैच में सात अंक हैं जबकि जम्मू-कश्मीर ने अपना पहला अंक हासिल किया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने शांति बहाल करने के लिए नगा संगठनों से सहयोग मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बुधवार को हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाल करने में मदद के लिए सेनापति जिले के नगा निकायों से समर्थन मांगा और कहा कि उनकी सरकार समुदायों के बीच एकता लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। पुनानमेई गांव में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'रोबवेना नी' को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि मणिपुर पिछले 19 महीनों से कठिनाई का सामना कर रहा है और भगवान की कृपा से स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है।

सिंह ने कहा, यह कार्यक्रम एकजुटता, मेलमिलाप और क्षमा के सूत्र वाक्य आधारित है, जिसकी मणिपुर में जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा, सेनापति जिले के लोगों की भूमिका बहुत बड़ी है। राज्य की एकता और अखंडता की रक्षा करने और मणिपुर के मूल समुदायों को मजबूत करने में नगा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन, सेनापति डिस्ट्रिक्ट स्टूडेंट्स एसोसिएशन, यूनाइटेड नगा काउंसिल हेडक्वार्टर्स और अन्य नागरिक संस्थाओं की भूमिका बहुत बड़ी है।

सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का 'गो-टू-हिल्स' अभियान पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों और मैदानी क्षेत्रों के लोगों के बीच बातचीत शुरू करने के लिए आरंभ किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अभियान का एक अन्य उद्देश्य सरकार को पहाड़ी लोगों तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आज यहां सेनापति जिले के लोगों से राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मदद मांगने आया हूं।

सिंह ने जोर देकर कहा कि पहाड़ी और घाटी में समान विकास और इनके लोगों के बीच आपसी सम्मान के बिना एकीकृत मणिपुर की स्थापना करना कठिन होगा। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों की पहचान संवैधानिक प्रावधानों के जरिए की गई है ताकि संख्यात्मक रूप से कम आबादी वाले मूल निवासियों की रक्षा की जा सके।

सिंह ने कहा, दुर्भाग्य से, इससे अवांछित घटनाएं हुईं और कई लोगों की जान चली गई तथा कई लोग बेघर हो गए।

पिछले वर्ष मई से मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हेलीकॉप्टर से नगा गांव पहुंचे, क्योंकि चुड़ाचांदपुर में कुकी जो काउंसिल ने दावा किया था कि वह उन्हें सड़क मार्ग से कांगपोकपी जिले से होकर सेनापति जाने की अनुमति नहीं देगी।

संविधान खत्म करना चाहती है भाजपा, माफी मांगें गृह मंत्री : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के संदर्भ में की गई टिप्पणी को लेकर बुधवार को कहा कि देश संविधान निर्माता का अपमान सहन नहीं करेगा तथा गृह मंत्री को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि भाजपा संविधान और बाबासाहेब द्वारा किए गए काम को खत्म करना चाहती है।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा और उनके नेता शुरू से ही कह रहे थे कि हम संविधान बदल देंगे। ये लोग संविधान के खिलाफ हैं। ये लोग आंबेडकर जी और उनकी विचारधारा के खिलाफ हैं।'' उन्होंने दावा किया, '' उनका एकमात्र काम संविधान और आंबेडकर जी द्वारा किए गए काम को खत्म करना है। यह बात पूरा देश जानता है।''

इससे पहले, राहुल गांधी ने संसद परिसर में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की तस्वीर साझा करते हुए अपने व्हाइट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, ''बाबासाहेब संविधान निर्माता हैं, देश को दिशा देने वाले महापुरुष हैं। उनका अपमान, उनके द्वारा तैयार किए गए संविधान का अपमान देश नहीं सहेगा। गृह मंत्री माफी मांगें।''

बाबासाहेब का 'अपमान' करने के लिए शाह देश से माफी मांगें और इस्तीफा दें : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए तथा देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्य विपक्षी दल और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों ने इस विषय को लेकर संसद के दोनों सदनों में हंगामा किया और संसद परिसर में भी विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि शाह की टिप्पणी का यह मतलब था कि बाबासाहेब का नाम लेना भी गुनाह है। उन्होंने कहा, ''अमित शाह जी ने कल सदन (राज्यसभा) में जब बाबासाहेब आंबेडकर जी का नाम लेकर बयान दिया, तब मैंने हाथ उठाकर बोलने की इजाजत मांगी थी। लेकिन मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया। उस समय हम सब सहयोग की भावना से चुपचाप बैठे रहे, क्योंकि हम संविधान पर चर्चा कर रहे थे।'' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के अनुसार, गृह मंत्री ने जिस तरह से बाबासाहेब का अपमान किया, उसे लेकर पूरे विपक्ष ने विरोध जताया है। खरगे ने आरोप लगाया कि अमित शाह और भाजपा के लोगों के दिमाग में जो 'मनुस्मृति' और आरएसएस की विचारधारा है, वह दर्शाती है कि वे बाबासाहेब के संविधान का आदर नहीं करते।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा, ''हम शाह की टिप्पणी का पुरजोर विरोध करते हैं। बाबासाहेब का अपमान देश और देशवासी सहन नहीं करेंगे।''

बिजली कनेक्शन में अनियमितता को लेकर संभल के सांसद जियाउर रहमान जांच के घेरे में आये

संभल (उप्र)/भाषा। सपा नेता एवं संभल के सांसद जियाउर रहमान बिजली कनेक्शन में कथित ''अनियमितता'' को लेकर उत्तर प्रदेश बिजली विभाग की जांच के घेरे में आ गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि सांसद के परिसर में दो बिजली कनेक्शन हैं।

कुमार ने कहा, ''एक कनेक्शन दो किलोवाट का है जो सांसद जियाउर रहमान के नाम पर है। दूसरा कनेक्शन भी दो किलोवाट का है जो उनके दादा शफीक-उर-रहमान बर्क के नाम है।'' उन्होंने कहा, ''उनके दादा की मृत्यु के बाद दूसरे कनेक्शन के नाम में कोई संशोधन नहीं कराया गया। अब हम इस कनेक्शन को सील कर रहे हैं और प्रयोगशाला में मीटर की जांच कराने के लिए नोटिस जारी कर रहे हैं। जांच संबंधित पक्षों की उपस्थिति में की जाएगी और पारदर्शिता के लिए प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी।'' बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता ने सांसद के बिजली बल में विसंगतियों का भी दावा किया। कुमार ने कहा, ''पिछले छह माह में सांसद के मीटर में लगातार शून्य यूनिट की खपत दिखाई गई है। एकमात्र अपवाद जून में था जब 13 यूनिट की खपत दर्ज की गई। जुलाई से नवंबर तक मीटर ने शून्य यूनिट की खपत दिखाई।'' जब सुरक्षा उपायों के बारे में पूछा तो कुमार ने कहा, ''निरीक्षण के दौरान सुरक्षाकर्मी मौजूद थे। लोग अक्सर ऐसी जांच का विरोध करते हैं।''

भाजपा के दफ्तर पर चला बुलडोजर, पार्टी उपाध्यक्ष धरने पर बैठे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के चित्तू पांडेय इलाके में अतिक्रमण कर बनाए गए अपने शिविर कार्यालय को नगर पालिका प्रशासन द्वारा मंगलवार को बुलडोजर चलवाकर ढहाए जाने से नाराज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बुधवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को बलिया नगर पालिका परिषद, जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम जिला मुख्यालय के चित्तू पांडेय क्षेत्र स्थित इंदिरा मार्केट में अतिक्रमण कर बनाए गए भाजपा जिला उपाध्यक्ष के शिविर कार्यालय पर पहुंची और बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

सूत्रों के मुताबिक, इसके विरोध में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बुधवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। सिंह ने धरना स्थल पर बैनर लगाया है, जिस पर लिखा है, जिला प्रशासन की अन्यायपूर्ण और तुगलकी कार्रवाई के विरोध में विशाल धरना।

उन्होंने धरना स्थल पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पिछले 40 वर्ष से वह शिविर कार्यालय पर बैठकर कार्य करते थे, जिसे मंगलवार को तोड़ दिया गया। सिंह ने कहा, कार्रवाई करने से पहले मुझसे बात की जानी चाहिए थी। अगर अधिकारी सरकारी मुलाजिम हैं, तो मैं भी सत्ताधारी पार्टी का पदाधिकारी हूं। सरकार मेरी है। मेरे साथ बैठकर बात कर ली होती। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन 'सपा के निर्देश' पर काम कर रहा है और प्रशासनिक अधिकारी विपक्षी पार्टी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।

सिंह ने बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय को पत्र भेजकर अपने अनिश्चितकालीन धरने की जानकारी दी।

कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति के लिए बाबा साहेब के नाम पर राजनीतिक रोटियां सेंक रही: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने बुधवार को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के अपमान के आरोप का सामना कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बचाव किया और कहा कि संविधान निर्माता के जीवित रहते हुए कांग्रेस ने उनका घोर अपमान किया तथा आज वह वोटबैंक की राजनीति के लिए उनके नाम पर राजनीतिक रोटियां सेंक रही है।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पोस्ट में कहा, ''कल संसद में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस द्वारा किए गए बाबा साहब के घोर अपमान के संदर्भ में कांग्रेस व उनके नेताओं को तथ्य और तर्कों के माध्यम से स्पष्ट आईना दिखाया था। दलित और आंबेडकर विरोधी कांग्रेस का सच सामने आने पर बौखलाए कांग्रेसियों ने झूठा नैरेटिव (विमर्श) गढ़ने का प्रयास किया है!'' उन्होंने कहा, ''बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवित रहते हुए कांग्रेस ने उनका घोर अपमान किया, आज कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति के लिए उनके नाम पर राजनीतिक रोटियां सेंक रही है!'' नड्डा की यह टिप्पणी कांग्रेस के उस आरोप के मद्देनजर आई है, जिसमें कहा गया है कि शाह ने राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं कि , ''अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'' नड्डा ने कहा कि देश की जनता जानती है कि 'कुंठित कांग्रेसी' आरंभ से ही आंबेडकर विरोधी रहे हैं। बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया जाना, सेंट्रल हॉल (संसद के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष) में उनका चित्र न लगाया जाना, स्मृति भवनों को सहेजने का प्रयास नहीं किया जाना, तत्कालीन कांग्रेस सरकार की ओर से देश की राजधानी दिल्ली में उन्हें जगह तक नहीं देना इत्यादि अनेक उदाहरण हैं।

अलीगढ़ में पुराने मंदिर से शिवलिंग बरामद, हिंदू संगठनों ने जीर्णोद्धार की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़/भाषा। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के बन्नादेवी क्षेत्र के मुस्लिम बहुल इलाके सराय रहमान में सड़क किनारे एक पुराने मंदिर के मलबे से बुधवार को एक शिवलिंग बरामद किया गया, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा।

मलबे से शिवलिंग मिलने के बाद बजरंग दल और करणी सेना सहित स्थानीय हिंदू संगठनों ने मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग की।

खबर सुनकर मौके पर पहुंचे बजरंग दल के सदस्य मयंक कुमार ने कहा कि मंदिर करीब पांच दशकों से परित्यक्त था और इसका इस्तेमाल 'डंपिंग ग्राउंड' के रूप में किया जा रहा था।

कुमार ने कहा, सफाई अभियान के दौरान मंदिर के पास टूटे ईंटों के मलबे में एक शिवलिंग दबा हुआ मिला।

शिवलिंग की बरामदगी के मद्देनजर स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं का एक बड़ा समूह वहां जमा हो गया, जिसके बाद इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची।

करणी सेना के पदाधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, एक प्रतिनिधिमंडल ने अपर जिला मजिस्ट्रेट (शहर) और पुलिस अधीक्षक (शहर) से मिलकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि मंदिर परिसर का कथित तौर पर अवैध उपयोग किया गया। इसमें दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और मंदिर का जीर्णोद्धार करने की मांग की गई।

सिंह ने संवाददाताओं से कहा, यह विरासत और आस्था का मामला है। जिन लोगों ने इस मंदिर का दुरुपयोग होने दिया, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

इस मामले पर पुलिस अधीक्षक (शहर) मृगांक शेखर पाठक ने कहा कि जांच जारी है।

वाराणसी में चार दशक से बंद पड़े मंदिर को खुलवाने की मांग

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी में चार दशकों से बंद पड़े एक मंदिर को लोगो द्वारा फिर से खुलवाने की मांग करने के बाद, जिला प्रशासन ने मंदिर के स्वामित्व के दस्तावेजों की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मामले की जांच के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की एक टीम मंगलवार को मंदिर पहुंची।

अपर जिलाधिकारी (शहर) आलोक वर्मा ने कहा, हमें इस मंदिर के बारे में समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला। अगले तीन-चार दिनों में हम इसकी जांच करेंगे। हमारे कानूनी सलाहकारों की टीम मंदिर के स्वामित्व की जांच कर रही है। अगर इसे सार्वजनिक संपत्ति घोषित किया जाता है तो मंदिर सभी के लिए खोल दिया जाएगा।

पुलिस उपायुक्त काशी जोन गौरव बंसवाल ने कहा कि इस मंदिर के बारे में सभी जानते हैं और यह कई सालों से बंद है। उन्होंने कहा,स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर करीब 40 वर्षों से बंद है। यह पता नहीं चल पाया है कि मंदिर के ताले की चाबी किसके पास है। अब कुछ संगठनों ने मंदिर का ताला खोलकर वहां पूजा शुरू करने की मांग की है। राजस्व और प्रशासन की टीमें वहां जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा, पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी, उसे लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को मंदिर खोले जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से वहां पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं और लगातार गश्त की जा रही है। सोमवार को मदनपुरा इलाके में करीब चार दशक से बंद पड़े मंदिर को खोलने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। इस समूह का नेतृत्व सनातन रक्षा दल के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा कर रहे थे।

एनआईए ने एक-47 राइफल के पुर्जे बरामद होने के मामले में बिहार में छापे मारे

मुजफ्फरपुर/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने अवैध रूप से खरीदी गई एके-47 राइफल के 'बट' और 'स्कोप' की बरामदगी की जांच के सिलसिले में बुधवार को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में कई स्थानों पर तलाशी ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुजफ्फरपुर के पुलिस उपाधीक्षक ए सी ज्ञानी ने बताया कि संघीय एजेंसी के अधिकारियों ने सुबह पांच बजे छापेमारी शुरू की। केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी इलाके के मिठनपुरा में देवमणि राय नामक व्यक्ति के परिसरों की तलाशी ले रहे हैं। यह तलाशी उनके पास से अवैध रूप से खरीदी गई एके-47 के 'बट' और 'स्कोप' की बरामदगी की जांच के सिलसिले में की जा रही है।''

बिहार मजबूत कारोबारी परिवेश बनाने के लिए पूरी तरह तैयार : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य बेहतर कानून-व्यवस्था के साथ-साथ बेहतर बुनियादी ढांचा सुविधाओं सहित एक मजबूत कारोबारी परिवेश बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने घरेलू तथा वैश्विक कंपनियों को आश्वस्त किया कि राज्य में उनका निवेश ''सुरक्षित'' है।

चौधरी बिहार के वित्त मंत्री भी है। उन्होंने पॉडकास्ट साक्षात्कार में बिहार की छवि बदलने, रोजगार के अवसर उत्पन्न करने और उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल करने के वास्ते निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर प्रकाश डाला। राज्य सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए 19-20 दिसंबर को यहां 'बिहार बिजनेस कनेक्ट' शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रही है। चौधरी ने कहा, '' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बिहार एक मजबूत कारोबारी परिवेश बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। बिहार आपके साथ खड़ा होने और आपकी सफलता के लिए आवश्यक सभी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।''

उन्होंने घरेलू तथा वैश्विक उद्योगों को बिहार आने का निमंत्रण दिया और कहा कि सरकार आपसी विकास के लिए सहायता तथा सहयोग करने के लिए तैयार है।

अश्विन: ऐसा व्यक्ति जिसने सुरक्षित होकर खेलने में कभी विश्वास नहीं किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रविचंद्रन अश्विन बचपन में अपनी असुरक्षाओं से बहुत लंबे समय तक जूझते रहे और शायद वह फिर से असुरक्षाओं के दलदल में नहीं फंसना चाहते थे।

यही कारण है कि उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेना किसी भी उस व्यक्ति के लिए अप्रत्याशित नहीं होगा जिसने उनके सफर का अनुसरण किया है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के बाद सिडनी में भी संन्यास ले सकते थे लेकिन वह सिर्फ टीम के साथ जुड़े रहने के लिए तैयार नहीं थे। किसी को भी उन्हें यह बताने की ज़रूरत नहीं पड़ी कि अब खेल से दूर जाने का समय आ गया है। अश्विन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी संक्षिप्त उपस्थिति में दुनिया को बता दिया कि वह जाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक सक्रिय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के रूप में कई भूमिकाएं निभाईं। शीर्ष स्तर पर 14 साल बिताने के बाद भी अश्विन को किसी एक भूमिका में बांधना बहुत मुश्किल है। उनके 765 अंतरराष्ट्रीय विकेट इस अनुभवी खिलाड़ी को समझने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं हैं जिन्होंने अपनी किताब में बचपन में असुरक्षित महसूस करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने धीरे-धीरे उस लड़ाई को जीत लिया और क्रिकेट ने उन्हें एक आश्वस्त व्यक्ति के रूप में ढालने में प्रमुख भूमिका निभाई।

कुछ महीने पहले जब अश्विन की आत्मकथा 'आई हैव द स्ट्रीट्स' के पहले हिस्से का विमोचन हुआ था तो उन्होंने 'पीटीआई' से कहा था, ''मैं पूरी तरह सुरक्षित रहने की बजाय

जीवन में असफल होना पसंद करूंगा। यही मेरा चरित्र है। मुझमें आम असुरक्षाएं नहीं हैं जो लोगों में होती हैं।'' अश्विन ने कहा, ''अगर आप कैसीनो में जाते हैं, यह सोचकर कि आप कितना पैसा कमाएंगे, तो शायद आप वहां से बिना पैसों के खाली हाथ लौटें। लेकिन जब आप मौज-मस्ती करने और अपने पास मौजूद पैसे गंवाने के इरादे से जाते हैं तो आप हमेशा बहुत अमीर व्यक्ति बनकर लौटते हैं। यह वास्तव में एक बड़ा सीखने का अनुभव था।'' इसलिए जब उन्होंने अपने साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया तो उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि उनके 106 टेस्ट मैच 107 हो सकते हैं या 108। अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अश्विन ने कभी नहीं माना कि एक ऑफ स्पिनर वैध एक्शन के साथ 'दूसरा' गेंदबाजी कर सकता है लेकिन उन्होंने अपना खुद की गेंद विकसित की और इसे 'कैरम बॉल' नाम दिया गया।

'कैरम बॉल' अश्विन के पूरे करियर में उनकी पहचान बन गई लेकिन उनमें दुनिया को यह बताने का साहस था कि उन्होंने चेन्नई में जूनियर शिविर के दौरान श्रीलंकाई गेंदबाज अजंता मेंडिस को देखकर इसे सीखा था। वर्ष 2011 से लेकर इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला तक वह घरेलू मैदान पर घातक रहे। आलोचक पिछले 13 वर्षों के दौरान भारतीय पिचों की प्रकृति के बारे में अंतहीन बात कर सकते हैं लेकिन कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि अश्विन और रविंद्र जडेजा उन परिस्थितियों में टीम की ताकत थे। किसी को भी अनुकूल परिस्थितियां प्रदान की जा सकती हैं लेकिन खिलाड़ी को यह भी पता होना चाहिए कि कैसे लाभ उठाना है। भारतीय धरती पर 383 विकेट और एशिया में उनके 537 टेस्ट विकेटों में से 433 विकेट इन परिस्थितियों में उनकी महारत का प्रमाण हैं। उन्होंने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में बेहतरीन स्पेल फेंके लेकिन कई बार आंकड़े जितना बताते हैं उससे कहीं ज्यादा छिपाते हैं।

अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर सका लेकिन अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिसबेन/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि हाल ही में उनका बल्लेबाजी फॉर्म औसत रहा है लेकिन वह अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहे हैं जिससे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाकी दो टेस्ट के लिए उम्मीद बंधती है । अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पर्थ में पहला टेस्ट नहीं खेल सके रोहित इस दौरे पर 3, 6 और 10 रन ही बना सके हैं । वह केएल राहुल को पारी की शुरूआत का मौका देने के लिए छह साल बाद मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे हैं जिससे उनका काम और चुनौतीपूर्ण हो गया है ।

गाबा पर तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद रोहित ने अपनी बल्लेबाजी का ईमानदारी से आकलन करते हुए कहा ,'' मैं अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पा रहा हूं । इसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है । लेकिन मुझे पता है कि मैं कैसे तैयारी कर रहा हूं । इसमें कोई कमी नहीं है , बस क्रीज पर अधिक समय टिकने की जरूरत है और यह जल्दी ही होगा ।'' उन्होंने कहा ,'' जब तक मेरा दिमाग, मेरा शरीर और मेरे पैर अच्छे चल रहे हैं, मैं खुश हूं । कई बार आंकड़ों से आपको लगता है कि बहुत समय से बड़ी पारी नहीं खेली लेकिन मेरे लिए यह मायने रखता है कि मुझे दिमाग में कैसा लग रहा है या मैं कैसी तैयारी कर पा रहा हूं । यह सबसे अहम है ।'' रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले ली ।

सुविचार

खुशी के लिए काम करेंगे तो खुशी नहीं मिलेगी, लेकिन खुश होकर काम करेंगे तो खुशी के साथ ही सफलता भी मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घोर कृतघ्नता

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने विजय दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोशल मीडिया 'पोस्ट' पर जो प्रतिक्रिया दी, वह अत्यंत निंदनीय है। उनका यह बयान घोर कृतघ्नता ही माना जाएगा कि उस जीत में 'भारत केवल एक सहयोगी था, इससे ज्यादा कुछ नहीं।' आसिफ की यह टिप्पणी न केवल भारत का, बल्कि उन सैनिकों का भी अपमान है, जिन्होंने बांग्लादेश की आज़ादी के लिए अपना लहू दिया था। इस पड़ोसी देश के विधि सलाहकार का इतिहास-ज्ञान शून्य प्रतीत होता है। उन्हें वर्ष 1971 के युद्ध का इतिहास पढ़ना चाहिए। पाकिस्तानी फौज पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में न केवल कत्ले-आम कर रही थी, बल्कि महिलाओं से दुष्कर्म भी कर रही थी। लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने अपने जवानों को खुली छूट दे रखी थी। यही नहीं, वह ऐसे दुराचारियों की पीठ भी थपथपाता था। आसिफ को भारत और भारतीय सेना का कृतज्ञ होना चाहिए। अगर भारत के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों की गुहार न सुनी होती तो आज न बांग्लादेश होता और न आसिफ नजरुल उसकी सरकार के विधि सलाहकार होते। भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना के वीर योद्धाओं ने अपनी जान की बाज़ी लगाई थी, तब जाकर बांग्लादेश को आज़ादी मिली थी। आसिफ को ज्यादा जहमत उठाने की जरूरत नहीं, वे इंटरनेट पर भारतीय सेना के अरुण खेत्रपाल, भीम बहादुर थापा, राजेंद्र सिंह राजावत, सुरेश गजानन सामंत, गोपाल कृष्ण अरोड़ा, सुगन सिंह, सज्जन सिंह जैसे योद्धाओं के बारे में पढ़ें। ऐसे अनेक सैनिकों ने दृढ़ संकल्प के साथ हुंकार भरी थी, पाकिस्तान की गोलियां अपने सीने पर झेली थीं, तब बांग्लादेश बना था।

आसिफ नजरुल की टिप्पणी बताती है कि मोहम्मद यूनुस और उनकी मंडली ने पूरी मंशा बना ली है कि उनकी ओर से भारत का विरोध ही किया जाएगा। अब तक बांग्लादेश में जिसकी भी सरकार रही, उसने छोटे-मोटे विवादों को लेकर कई बार तीखी टीका-टिप्पणी जरूर की, लेकिन यह कभी नहीं कहा कि उनकी आज़ादी में भारत की भूमिका एक सहयोगी से ज्यादा कुछ नहीं थी। बांग्लादेश ने पूर्व में ऐसे कई भारतीय नागरिकों को सम्मानित किया, जिन्होंने उसकी आज़ादी के संग्राम में उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी। जिन लोगों ने वह संग्राम अपनी आंखों से देखा है, वे जानते हैं कि भारतीय सैनिकों ने किस तरह पाकिस्तानी फौज की अकड़ निकाल दी थी। बांग्लादेश के इतिहास में 1971 का साल बहुत खून-खराबे का साल रहा है। उस दौरान पाकिस्तानी फौज के हाथों लाखों लोग मारे गए थे। अगर भारत हस्तक्षेप नहीं करता और पूर्वी पाकिस्तानियों को उनके हाल पर छोड़ देता तो क्या होता? इसमें कोई संदेह नहीं कि उस सूरत में मृतकों का आंकड़ा करोड़ों में होता है। खुद आसिफ नजरुल किसी पाकिस्तानी फौजी की बंदूक से निकली गोली के शिकार हो जाते, जिनकी उम्र तब लगभग पांच साल थी। बांग्लादेश के लिए एक और दुर्भाग्य की बात है कि ये महाशय ख़ुद को लेखक, उपन्यासकार, स्तंभकार, राजनीतिक टिप्पणीकार और कानून के प्रोफेसर बताते हैं। ये दर्जनभर किताबें लिख चुके हैं। इतना ही नहीं, ये पत्रकारिता में भी हाथ आजमा चुके हैं। इसके बाद इनका यह हाल है! इन्हें बांग्लादेश की आज़ादी में भारत के योगदान के बारे में नहीं पता है! अगर ऐसे 'बुद्धिजीवी' बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के विधि सलाहकार बनाए गए हैं तो युवाओं का भविष्य चौपट ही समझें। जिन्हें अपने देश का इतिहास नहीं मालूम, वे भविष्य कैसा बनाएंगे?

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस पार्टी एवं उनके नेताओं द्वारा बाबासाहेब का अपमान करने की सूची अत्यंत विस्तृत है। इनमें न तो संविधान के प्रति कोई सम्मान है और न ही उसके निर्माता के प्रति। इन समस्त अपमानों का हिसाब देश की जनता इनकी राजनीतिक विरासत को समूल नष्ट करके लेगी।

-भजनलाल शर्मा

पंडित जवाहर लाल नेहरू जी से संबंधित पत्राचार जोकि अभी सोनिया गांधी जी के पास हैं उन सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों को उन्हें प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय को वापस लौटना चाहिए। आख़िर उसमें ऐसा क्या है जिसे गांधी परिवार छुपा रहा है, उन सभी दस्तावेजों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए!

-संबित पात्रा

कांग्रेसियों से संविधान को लेकर जब भी कोई सवाल पूछो उनका एक ही जवाब आता है। सोनिया गांधी हमारा माता है आगे कुछ नहीं आता है। तब जनता कहती है। बैल हमारा बाप है कांग्रेसियों को नंबर देना पाप है।

-गौरव भाटिया

प्रेरक प्रसंग

संगत का असर

एक अध्यापक अपने शिष्यों के साथ घूमने जा रहे थे । रास्ते में वे अपने शिष्यों के अच्छी संगत की महिमा समझा रहे थे । लेकिन शिष्य इसे समझ नहीं पा रहे थे ।

तभी अध्यापक ने फूलों से भरा एक गुलाब का पौधा देखा । उन्होंने एक शिष्य को उस पौधे के नीचे से तत्काल एक मिट्टी का ढेला उठाकर ले आने को कहा । जब शिष्य ढेला उठा लाया तो अध्यापक बोले, इसे अब सूंघो ।

शिष्य ने ढेला सूंघा और बोला, गुरु जी इसमें से तो गुलाब की बड़ी अच्छी खुशबू आ रही है । तब अध्यापक बोले, बच्चो ! जानते हो इस मिट्टी में यह मनमोहक महक कैसे आई ?

दरअसल इस मिट्टी पर गुलाब के फूल, टूट टूटकर गिरते रहते हैं, तो मिट्टी में भी गुलाब की महक आने लगी है जो की ये असर संगत का है और जिस प्रकार गुलाब की पंखुड़ियों की संगति के कारण इस मिट्टी में से गुलाब की महक आने लगी उसी प्रकार जो व्यक्ति जैसी संगत में रहता है उसमें वैसे ही गुणदोष आ जाते हैं ।

सामयिक

पहले राज्यों से लागू होगी समान नागरिक संहिता

अजय कुमार

मोबाइल : 9335566111

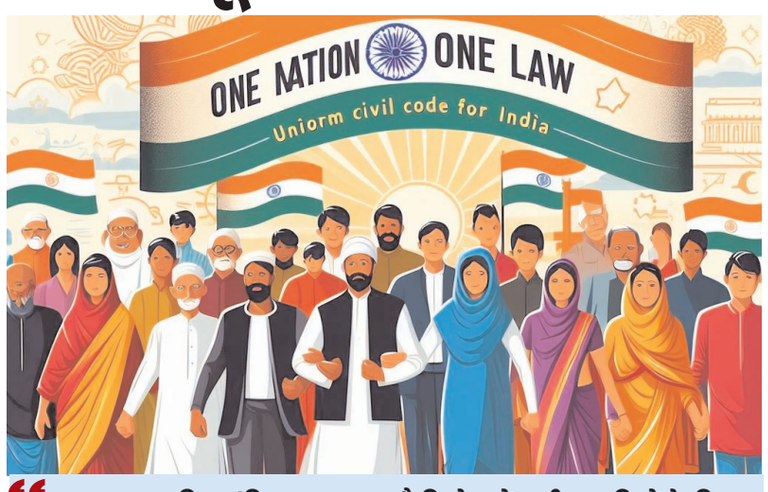

बीजेपी ने हमेशा से देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत की है, और यह मुद्दा जनसंघ के समय से ही पार्टी के एजेंडे का हिस्सा रहा है। जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है, तब से इस मुद्दे पर पार्टी ने लगातार जोर दिया है। बीजेपी ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को हटाने और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया था। राम मंदिर का सपना तो साकार हो चुका है, अनुच्छेद 370 को खत्म किया जा चुका है, अब सिर्फ समान नागरिक संहिता को लागू करने का काम बाकी है, जिसे बीजेपी और मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए एक देश, एक चुनाव की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। अब, समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर बीजेपी ने एक नई रणनीति बनाई है। बीजेपी इस मुद्दे को संसद के बजाय राज्य विधानसभा के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने बयान के माध्यम से संकेत दिए थे।

अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर चर्चा करते हुए समान नागरिक संहिता के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 44 के तहत हमारा संविधान समान नागरिक संहिता की बात करता है, लेकिन यह अभी तक देश में लागू नहीं हो पाया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू किया था, और कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी थी। अमित शाह ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की है, लेकिन कांग्रेस ने हर बार इसे टाल दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड में बीजेपी सरकार ने यूसीसी को लागू किया है और इसी मॉडल के तहत बीजेपी शासित अन्य राज्यों में भी यूसीसी को लागू किया जाएगा।

> **समान नागरिक संहिता का मतलब है कि देश में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून हो। इसका उद्देश्य विवाह, तलाक, संपत्ति के बंटवारे और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर हर नागरिक के लिए समान कानून लागू करना है। वर्तमान में, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम समुदाय के लोग अपने पारिवारिक मामलों का हल करते हैं, लेकिन समान नागरिक संहिता के लागू होने से सभी समुदायों के लिए एक समान कानून होगा।**

समान नागरिक संहिता का मतलब है कि देश में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून हो। इसका उद्देश्य विवाह, तलाक, संपत्ति के बंटवारे और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर हर नागरिक के लिए समान कानून लागू करना है। वर्तमान में, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम समुदाय के लोग अपने पारिवारिक मामलों का हल करते हैं, लेकिन समान नागरिक संहिता के लागू होने से सभी समुदायों के लिए एक समान कानून होगा। बीजेपी ने इस मुद्दे को जनसंघ के समय से उठाया था, और पार्टी का मानना है कि यह देश की धर्मनिरपेक्षता और समानता को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मुद्दे पर कई बार अपनी राय दी है। उन्होंने संविधान पर चर्चा के दौरान सेकुलर सिविल कोड के संवैधानिक महत्व की बात की और संकेत दिए कि सरकार समान नागरिक संहिता लाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले के प्रचीर से भी यह कहा था कि जिन कानूनों से देश को धर्म के आधार पर बांटा जाता है, उन्हें समाप्त किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, देश को एक सेकुलर सिविल कोड की आवश्यकता है, और गलत कानूनों का आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं है।

इस संदर्भ में अमित शाह ने उत्तराखंड की तर्ज पर अन्य बीजेपी शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीजेपी शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने के लिए विधानसभा के रास्ते पर आगे बढ़ा जाएगा। इस रणनीति के तहत, बीजेपी पहले उत्तराखंड में यूसीसी को लागू कर चुकी है, और अब दूसरे बीजेपी शासित राज्यों में इसे लागू करने की योजना बनाई जा रही है। उत्तराखंड में बीजेपी ने विधानसभा चुनावों के दौरान यूसीसी को लागू करने का वादा किया था, और सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस पर अमल किया। उत्तराखंड में पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई थी, जिसने यूसीसी के लिए सिफारिशें दीं, और उसके आधार पर राज्य में समान नागरिक संहिता लागू की गई।

उत्तराखंड के बाद अब असम की बीजेपी सरकार भी समान नागरिक संहिता को लागू करने की तैयारी कर रही है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में इस बात का ऐलान किया था। राजस्थान और गुजरात जैसी राज्य सरकारें भी यूसीसी को लागू करने के पक्ष में हैं, और उनकी योजनाओं के तहत इस दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इन राज्यों में बीजेपी अपने शासित क्षेत्रों में यूसीसी को लागू करने में सफल हो सकती है, और इस तरह से पार्टी देश के बड़े हिस्से में समान नागरिक संहिता को लागू करने का मॉडल पेश कर सकती है।

बीजेपी के लिए यह रणनीति महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके जरिए वह न केवल अपने शासित राज्यों में यूसीसी लागू कर सकती है, बल्कि वह अन्य विपक्षी दलों पर भी सियासी दबाव बना सकती है। यूपी, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, असम, गोवा, गुजरात, ओडिशा, त्रिपुरा, मणिपुर, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं। इनमें से गोवा में पहले से ही यूसीसी लागू है, और उत्तराखंड में भी इसे लागू किया जा चुका है। यदि बीजेपी इन राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने में सफल हो जाती है, तो यह पूरे देश के लिए एक मिसाल बन सकता है। हालांकि, इस प्रक्रिया में कुछ चुनौतियां भी हैं। एनडीए के कई सहयोगी दल, जैसे जेडीयू और टीडीपी, इस मुद्दे पर बीजेपी के साथ नहीं हैं। इसके अलावा, बीजेपी को संसद में यूसीसी के बिल को पास करने के लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान में मुश्किल प्रतीत हो रही है। मुस्लिम वोटों की सियासी मजबूरी के कारण जेडीयू और टीडीपी इस मुद्दे पर बीजेपी का समर्थन नहीं कर सकते। इसलिए, बीजेपी ने संसद के बजाय विधानसभा का रूट अपनाने का निर्णय लिया है, ताकि राज्यों में इसे लागू करने का रास्ता तैयार किया जा सके।

इस रणनीति के जरिए बीजेपी शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने का प्रयास करेगी, और इसके बाद अन्य राज्यों में भी इसे लागू करने के लिए दबाव डाला जाएगा। यह बीजेपी के लिए एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि हो सकती है, क्योंकि इससे पार्टी अपनी धर्मनिरपेक्षता और समानता के एजेंडे को साकार कर सकेगी। इसके साथ ही, बीजेपी अपने सहयोगी दलों को भी इस मुद्दे पर विश्वास में लेकर सियासी फायदे की दिशा में बढ़ सकती है। बीजेपी की सरकारों को यह मौका मिलेगा कि वे अपने शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करके उदाहरण प्रस्तुत कर सकें। अगर ये राज्यों में सफलतापूर्वक लागू हो जाती है, तो यह राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी बदलाव का संकेत होगा, और फिर बीजेपी अन्य राज्यों को भी इसे लागू करने के लिए प्रेरित कर सकती है। इस प्रकार, समान नागरिक संहिता का मुद्दा बीजेपी के लिए न केवल एक महत्वपूर्ण राजनीतिक एजेंडा है, बल्कि यह देश की धर्मनिरपेक्षता और समानता की दिशा में एक अहम कदम भी हो सकता है।

अगर बीजेपी शासित राज्यों में यह प्रक्रिया सफल हो जाती है, तो यूसीसी को लागू करने के लिए विपक्षी दलों पर दबाव बढ़ सकता है, खासकर उन दलों पर जो मुस्लिम वोट बैंक को लेकर चिंतित रहते हैं। बीजेपी अपने शासित राज्यों को एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकती है, जिससे यह साबित हो सके कि समान नागरिक संहिता सभी समुदायों के हित में है और समाज में समानता लाने में मददगार है। इससे पार्टी अपने सहयोगी दलों और विपक्षी दलों को भी इस मुद्दे पर मजबूर कर सकती है, और फिर इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का रास्ता खोल सकती है। इस प्रकार, बीजेपी अपने शासित राज्यों के जरिए देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में प्रभावी कदम उठा सकती है, जो अंततः देश को एक समान और धर्मनिरपेक्ष समाज की ओर ले जाने में मदद करेगा।

मुद्दा

डॉ. लोहिया के नेतृत्व में हुआ था गोवा मुक्ति संग्राम का आगाज

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आज गोवा मुक्ति दिवस है। यह दिवस प्रतिवर्ष 19 दिसम्बर को मनाया जाता है। देश की आजादी के बाद भी गोवा पुर्तगालियों के कब्जे में रहा। देश की आजादी के 14 वर्ष बाद भारत के द्वारा चलाये गए ऑपरेशन विजय के द्वारा गोवा को पुर्तगालियों के चंगुल से आजाद करवाया गया। गोवा को 19 दिसंबर 1961 को आजादी कैसे मिली, इसकी कहानी बहुत मार्मिक है। गोवा मुक्ति आंदोलन में समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया और उनके समाजवादी साथियों के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। गोवा के कण कण में डॉ. राम मनोहर लोहिया मिलेंगे। विशेषकर लोकगीतों में लोहिया आपको मिलेंगे। एक गीत यहाँ काफी प्रसिद्ध है, पहिली माझी ओवी, पहिले माझी फूल, भक्ती ने अर्पिन लोहिया ना। धन्य लोहिया, धन्य भूमि यह धन्य उसके पुत्र। गोवा की आजादी का सिंहनाद डॉ. लोहिया ने किया था। वहां के लोकगीतों में डॉ. लोहिया का वर्णन पौराणिक नायकों की तरह होता है। यदि गोवा की आजादी का श्रेय किसी एक व्यक्ति को देना हो तो वे डॉ. राममनोहर लोहिया हैं, जिन्होंने पहली बार गोवा के आजादी के मुद्दे को राष्ट्रीय अस्मिता का मुद्दा बनाया और बीमारी के बावजूद गोवा मुक्ति संग्राम की अगुवाई करते हुए अपनी गिरफ्तारी दी।

गोवा मुक्ति आंदोलन के जनक समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया थे। गोवा के आजादी के आंदोलन में उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता। यह वह समय था जब पंडित नेहरू गोवा को भुला बैठे थे। लोहिया कहते थे बिना आंदोलन के पुर्तगाली गोवा को छोड़कर नहीं जायेंगे। वही हुआ भारत की आजादी के काफी साल बाद भी पुर्तगाली गोवा को छोड़ने को तैयार नहीं हुए तो लोहिया ने आंदोलन की अलख जगाई और अपने साथियों के साथ गोवा कूच किया । 18 जून 1946 को डॉ. राम मनोहर लोहिया ने गोवा जाकर स्थानीय निवासियों को पुर्तगालियों के खिलाफ

> **गोवा मुक्ति आंदोलन के जनक समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया थे। गोवा के आजादी के आंदोलन में उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता। यह वह समय था जब पंडित नेहरू गोवा को भुला बैठे थे। लोहिया कहते थे बिना आंदोलन के पुर्तगाली गोवा को छोड़कर नहीं जायेंगे। वही हुआ भारत की आजादी के काफी साल बाद भी पुर्तगाली गोवा को छोड़ने को तैयार नहीं हुए तो लोहिया ने आंदोलन की अलख जगाई और अपने साथियों के साथ गोवा कूच किया ।**

आंदोलन करने के लिए प्रेरित किया था। लंबे अरसे तक चले आंदोलन के बाद 19 दिसम्बर 1961 को गोवा को पुर्तगाली आधिपत्य से मुक्त कराकर भारत में शामिल कर लिया गया था। 1946 में आज ही के दिन डॉक्टर राममनोहर लोहिया ने पुर्तगालियों के खिलाफ आंदोलन का नारा दिया था। तब अंग्रेजी साम्राज्य डूब रहा था, कई बड़े राष्ट्रीय नेताओं का मानना था कि अंग्रेजों के जाते ही पुर्तगाली भी गोवा से कूच कर जाएंगे। पर स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया सहमत नहीं थे कि बिना आंदोलन छेड़े ऐसा संभव हो पाएगा।

लोहिया ने पहली बार गोवा के आजादी के मुद्दे को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उठाया और लोगों का ध्यान आकर्षित करने में सफल हुए। 15 जून 1946 को पंजिम में डा0 लोहिया की सभा हुई जिसमें तय हुआ 18 जून से सविनय अवज्ञा प्रारम्भ होगा। पुलिस ने टैक्सी वालों को मना कर दिया था। डा0 लोहिया मड़गाँव सभा स्थल घोड़ागाड़ी से पहुँचे। घनघोर बारिश, 20 हजार की जनता और मशीनगन लिए हुए पुर्तगाली फौज। गगनचुम्बी नारों के बीच डा0 लोहिया के ऊपर प्रशासक मिराण्डा ने पिस्तौल तान दिया, लेकिन लोहिया के आत्मबल और आभामण्डल के आगे उसे झुकना पड़ा। पाँच सौ वर्ष के इतिहास में गोवा में पहली बार आजादी का सिंहनाद हुआ। लोहिया गिरफ्तार कर लिए गए। पूरा गोवा युद्ध-स्थल बन गया। पंजिम थाने पर जनता ने धावा बोल कर लोहिया को छुड़ाने का प्रयास किया । एक छोटी लड़की को जयहिन्द कहने पर पुलिस ने काफी पीटा। 21 जून को गवर्नर का आदेश हुआ कि आम-सभा व भाषण के लिए सरकारी आदेश लेने की आवश्यकता नहीं। लोहिया चौक पर झण्डा फहराया गया। गोवा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा पुर्तगाल को तीन माह की नोटिस देकर लोहिया लौट आए। महात्मा गांधी लोहिया की गिरफ्तारी का पुरजोर विरोध किया। तीन महीने पश्चात डा0 लोहिया दोबारा गोवा के मड़गाँव के लिए चले। उन्हें कोलेम में ही गिरफ्तार कर लिया गया। 29 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक उन्हें आग्वाद के किले में कैदी बनाकर रखा गया, बाद में अनमाड़ के पास लाकर छोड़ा गया। 2 अक्टूबर को अपने जन्मदिन के दिन बापू ने लार्ड बेवेल से लोहिया की रिहाई के लिए बात की। लोहिया पर गोवा-प्रवेश के लिए मनाही हो गई। गोवा मुक्ति आंदोलन के इतिहास में जिन लोगों ने अपना खून पसीना बहाया और जेल की यंत्रणा सही इस दिन उनका समरण देशवासियों के लिए जरुरी है। गोवा आंदोलन में समाजवादी नेता डॉ लोहिया और उनके साथियों की भूमिका अविसमरणीय है जिन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए गोवा को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोहिया के लम्बे जनजागरण के बाद गोवा को आजादी मिली थी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सोनाक्षी या उनके पिता के प्रति मेरे मन में कोई दुर्भावना नहीं है: मुकेश खन्ना

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ अभिनेता मुकेश खन्ना का कहना है कि रामायण के बारे में जानकारी नहीं होने पर जब अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की वह आलोचना कर रहे थे तो उन्हें पता था कि वह उन्हें 'नाराज' कर रहे हैं लेकिन उनकी टिप्पणी के पीछे किसी प्रकार की 'दुर्भावना' नहीं थी। खन्ना ने कहा कि वह सोनाक्षी की तरह एक 'हाई फाई केस' का उपयोग करके युवा पीढ़ी को भारत की संस्कृति और इतिहास के बारे में बताना चाहते हैं। उनकी इस टिप्पणी से पहले 'हीरामंडी' फिल्म की स्टार और तृणमूल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी ने खन्ना को खुला पत्र लिखकर उनकी परवरिश एवं परिवार के बारे में 'अशोभनीय बयान' देने के लिए उनकी निंदा की।

खन्ना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, '' प्रिय सोनाक्षी, मुझे आश्चर्य है कि आपने प्रतिक्रिया देने में इतना समय लिया। मुझे पता था कि मैं प्रसिद्ध करोड़पति (केबीसी) शो में उस घटना से आपका नाम लेकर आपको नाराज़ कर रहा था। लेकिन मैं आपको बता दूं कि मेरा आपको या आपके पिता को बदनाम करने का कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं था, जो मेरे वरिष्ठ हैं और मेरे उनके साथ बेहद सौहार्दपूर्ण संबंध हैं।'' उन्होंने लिखा, '' मेरा एकमात्र उद्देश्य आज की पीढ़ी पर प्रतिक्रिया देना था, जिसे बड़े-बुजुर्ग 'जेन-जेड' कहते हैं, जो आज की गूगल दुनिया और मोबाइल फोन की गुलाम बन गई है। उनका ज्ञान विकिपीडिया और यूट्यूब पर सामाजिक संपर्कों तक ही सीमित है। और यहां मेरे सामने आपका एक हाई फाई केस था जिसे मैंने सोचा कि मैं दूसरों को सिखाने के लिए इस्तेमाल कर सकता हूं।'' हिट टीवी धारावाहिकों 'शक्तिमान' और 'महाभारत' के लिए मशहूर अभिनेता ने हाल में एक साक्षात्कार के दौरान सोनाक्षी के बारे में घटना को याद करते हुए कहा कि उन्हें 'अफसोस' है। उन्होंने कहा, ''यह बात ध्यान में रख ली गयी है। यह दोबारा नहीं होगा। निश्चित रहें। अपना ख्याल रखें।''

'बागबान' से बेहद अलग है 'वनवास' की कहानी : उत्कर्ष शर्मा

इंदौर/भाषा। अपनी अगली फिल्म 'वनवास' और अमिताभ बच्चन अभिनीत 'बागबान' (2003) की कहानी में किसी भी तरह की समानता से इनकार करते हुए अभिनेता उत्कर्ष शर्मा ने बुधवार को कहा कि दोनों फिल्में काफी अलग हैं। 'वनवास' के प्रचार के लिए इंदौर पहुंचे शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, ''हमारी फिल्म (वनवास) न तो 'बागबान' का रीमेक है, न ही इसकी कहानी 'बागबान' से प्रेरित है।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में पारिवारिक ड्रामा की विधा पर आधारित हैं और इनकी कहानियां माता-पिता और उनकी संतानों की भावनाओं के इर्द-गिर्द घूमती हैं।

शर्मा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि सिनेमाघरों में कोई फिल्म महज बड़े बजट के बूते नहीं, बल्कि इस आधार पर चलती है कि उसकी कहानी और विषयवस्तु कितनी दमदार है। अनिल शर्मा निर्देशित 'वनवास' 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें उत्कर्ष के साथ नाना पाटेकर भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। उत्कर्ष (30) ने कहा, ''नाना पाटेकर वक्त के पाबंद और बेहद पेशेवर अभिनेता हैं। चूंकि, नाना नाटकों में अभिनय कर चुके हैं, इसलिए वह उम्मीद करते हैं कि उनका साथी कलाकार भी पूरी तैयारी के साथ सेट पर आए।'' उन्होंने नाना को 'टीम प्लेयर' बताते हुए कहा, नाना ने शूटिंग के दौरान अपने सामने मुझे कभी कनिष्ठ महसूस नहीं कराया। वह सेट पर उन्हीं लोगों पर गुस्सा करते हैं, जो अपना काम सही ढंग से नहीं करते।''

शबाना आजमी ने जाकिर हुसैन के निधन पर मीडिया के रवैये की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ अभिनेत्री शबाना आजमी ने बुधवार को तबला वादक जाकिर हुसैन के निधन की अपुष्ट खबरें प्रकाशित करने में 'जल्दबाजी' के लिए मीडिया की आलोचना की। शबाना वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म 'साज' में हुसैन के साथ सह-कलाकार थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर प्रख्यात तालवादक के निधन की कवरेज पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने लिखा, ''खबर की पुष्टि किए बिना ही इसे सोशल मीडिया पर प्रकाशित करने की इतनी जल्दी क्या है। मैं इस बात से बहुत दुखी हूं... ईश्वर जाकिर हुसैन की आत्मा को शांति प्रदान करें।'' रविवार शाम को ही सोशल मीडिया पर हुसैन के निधन की अपुष्ट खबरें प्रसारित होने लगी थीं। । उस समय हुसैन की बहन खुर्शीद ने 'पीटीआई- भाषा' को बताया था कि उनके भाई की हालत ''बहुत गंभीर'' है, लेकिन ''उस समय उनकी सांसें चल रही हैं''। परिवार ने सोमवार की सुबह हुसैन के निधन की पुष्टि की।

अक्षरधाम मंदिर शाश्वत भेंट है, जो सभी के लिए शांति लायेगी : गबार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा खुफिया प्रमुख के पद के लिए चुनी गयीं तुलसी गबार्ड ने न्यू जर्सी में अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया और इसे 'एक ऐसी शाश्वत भेंट बताया जो सभी के लिए शांति और खुशी लाएगी।' उन्होंने कहा, ''प्यार, दया और एकता की भावना से एक साथ आए इतने सारे हाथों के काम के फलस्वरूप तैयार हुए इस अविश्वसनीय उत्पाद का वर्णन करने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं हैं। स्वागत करने वाली वह भावना कुछ ऐसी है जिसे मैं यहां महसूस करती हूँ, जैसा कि मैं जानती हूँ कि लाखों अन्य लोग भी अक्षरधाम आने पर महसूस करते हैं। यह एक शाश्वस्त भेंट है जो यहां आने वाले सभी लोगों को शांति और खुशी देगी।''

गबार्ड रविवार को न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में 1,000 से अधिक श्रद्धालुओं की एक सभा को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति पद के चुनाव में शानदार जीत के बाद ट्रंप ने एफबीआई और सीआईए समेत 18 अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के कामकाज की निगरानी के लिए गबार्ड (43) को 'नेशनल इंटेलिजेंस' की निदेशक नामित किया है।

गबार्ड 2012 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली पहली हिंदू अमेरिकी बनीं। 2020 में, उन्होंने कांग्रेस के लिए चुनाव नहीं लड़ा और इसके बजाय,

डेमोक्रेटिक पार्टी में, राष्ट्रपति पद के लिए प्रायमरी (प्राथमिक चुनाव) में असफल कोशिश की। 2024 में वह रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गईं। उन्होंने अक्षरधाम मंदिर में अपने संबोधन में कहा, ''मैं आप सभी के बीच यहां आकर आभारी महसूस कर रही हूं और इस अविश्वसनीय स्वागत और उत्सव से मेरा दिल खुश हो गया है।''

पाकिस्तान में कटास राज मंदिरों के दर्शन के वास्ते भारतीय श्रद्धालुओं को 84 वीजा जारी किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान उच्चायोग ने बुधवार को बताया कि वह पंजाब (पाकिस्तान) सूबे के चकवाल जिले में स्थित श्री कटास राज मंदिर के दर्शन के लिए भारतीय श्रद्धालुओं को 84 वीजा जारी किये हैं।

इस समूह को 19 से 25 दिसंबर तक कटास राज मंदिर के दर्शन के लिए वीजा दिया गया है। इन मंदिरों को किला कटास के नाम से भी जाना जाता है। यह कई हिंदू मंदिरों का एक परिसर है जो एक दूसरे से पैदल मार्गों से जुड़े हुए हैं। तीर्थाटन पर द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत हर साल भारत से सिख और हिंदू तीर्थयात्री पाकिस्तान जाते हैं। इसी तरह, प्रोटोकॉल के तहत पाकिस्तानी तीर्थयात्री भी हर साल भारत आते हैं। पाकिस्तानी

मिशन ने कहा, ''नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान के उच्चायोग ने पंजाब के चकवाल जिले में स्थित पवित्र श्री कटास राज मंदिर की यात्रा के लिए भारतीय तीर्थयात्रियों के एक समूह को 84 वीजा जारी किए हैं।''

बयान में कहा गया, ''तीर्थयात्रा वीजा जारी करना पाकिस्तान सरकार की धार्मिक स्थलों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने और अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है।''

सीरिया के भविष्य को लेकर पश्चिम एशिया के पुराने दो दुश्मनों के बीच कटु प्रतिद्वंद्विता उभर रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैनबरा। सीरिया में बशर अल-असद के शासन का अंत होने के बाद पश्चिमी एशिया के पुराने दो दुश्मनों के बीच एक बार फिर से कटु प्रतिद्वंद्विता उभर रही है। सीरिया में ईरान और रूस की सबसे प्रभावशाली भूमिका के बजाय इजराइल और तुर्किये अपने परस्पर विरोधी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के नेतृत्व में हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध तेजी से खराब हुए हैं। इससे दोनों देशों के बीच सीरिया को लेकर कटु टकराव की स्थिति उत्पन्न हुई है।

एक नई प्रतिद्वंद्विता उभर रही है: ऐसा माना जा रहा है कि तुर्किये ने सीरिया के विद्रोही गुट 'हयात तहरीर अल-शाम' समूह (एचटीएस) के नेतृत्व में असद को सत्ता से हटाने के लिए किए गए हमले का समर्थन का किया है जिससे सीरिया के सहयोगी ईरान और रूस को धोखा मिला है। तेहरान का मानना है कि तुर्किये के समर्थन के बिना एचटीएस यह नहीं कर पाता। अब ऐसा माना जा रहा है कि असद के शासन का अंत हो जाने के बाद एर्दोआन सुन्नी मुस्लिम दुनिया के लिए खुद को नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये ने असद के शासन का अंत होने के तुरंत बाद दमिश्क में अपना दूतावास फिर से खोल दिया और उसने सीरिया का शासन चलाने में एचटीएस को मदद करने की भी पेशकश की। दूसरी ओर, इजराइल ने अपनी क्षेत्रीय और सुरक्षा महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए सीरिया में किसी का भी शासन न होने का लाभ उठाया। इसने सीरिया के गोलान हाइट्स क्षेत्र में घुसपैठ की और देश भर में इसकी सैन्य संपत्तियों पर बड़े पैमाने पर बमबारी की।

तुर्किये ने सीरिया और गोलान हाइट्स पर इजराइल की कार्रवाई को जमीन हड़पने का प्रयास माना। अरब देशों ने इजराइल की इस कार्रवाई की निंदा की और सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की मांग की। इजराइल, सीरिया के एक जिहादी राज्य में तब्दील होने तथा वहां स्पष्ट रूप से एक इस्लामी समूह के सत्ता पर काबिज हो जाने से चिंतित है। हालांकि, एचटीएस के नेता अहमद अल-शरा (जिन्हें मोहम्मद अल-गोलानी के नाम से भी जाना जाता है) ने संकेत दिया है कि वह इजराइल के साथ संघर्ष नहीं चाहते। उन्होंने यह भी वचन दिया है कि वे किसी भी समूह को इजराइल पर हमले के लिए सीरिया का उपयोग करने की अनुमति नहीं देंगे।

दो कट्टर दुश्मन : तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन लंबे समय से फलस्तीन का समर्थन और इजराइल की घोर आलोचना करते आए हैं। गाजा में हमास के साथ युद्ध शुरू हो जाने के बाद से इजराइल और तुर्किये के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पिछले कई वर्षों से एर्दोआन पर निशाना साधते रहे हैं। उन्होंने एर्दोआन को एक ''मजाक'' और ''तानाशाह'' कहा जिनकी जेलों में सबसे ज्यादा पत्रकार और राजनीति से जुड़े लोग बंद हैं। उन्होंने एर्दोआन पर कुर्द लोगों का ''नरसंहार'' करने का भी आरोप लगाया था।

तुर्किये और इजराइल का सहयोगी माने जाने वाले अमेरिका ने यह सुनिश्चित करने के लिए गहन कूटनीतिक प्रयास शुरू कर दिए हैं कि एचटीएस सीरिया के भविष्य को सही दिशा में ले जाए। वह असद के शासन का अंत होने के बाद सत्ता पर काबिज हुई सरकार से चाहता है कि वह अमेरिका के हितों के अनुसार ही काम करे। अमेरिका के इन हितों में पूर्वोत्तर सीरिया में एचटीएस अमेरिका के कुर्द सहयोगियों का समर्थन करे और देश में अमेरिका के हजार सैनिकों को तैनात रहने दे।

अयोध्या में मस्जिद बनाने का कोई प्रयास नहीं हुआ, जमीन वापस लें मुख्यमंत्री योगी : भाजपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उत्तर प्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के एक नेता ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अयोध्या में मस्जिद के निर्माण के लिए आवंटित जमीन वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने दावा किया कि इस काम के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। नवंबर 2019 में, उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में उस स्थान पर मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हो गया था, जहां 16वीं सदी की बाबरी मस्जिद हुआ करती थी।

इसी आदेश में, शीर्ष अदालत ने सरकार को मस्जिद के निर्माण के लिए अयोध्या में पांच एकड़ का भूखंड आवंटित करने का निर्देश दिया था। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने बाद में जिले के धन्नीपुर क्षेत्र में सरकार द्वारा आवंटित पांच एकड़ भूमि पर एक नई मस्जिद के निर्माण के लिए इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन का गठन किया। भाजपा नेता रजनीश सिंह ने 10 दिसंबर को मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद से, मुस्लिम समुदाय द्वारा मस्जिद निर्माण के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका इरादा वहां मस्जिद बनाने का कभी नहीं था, बल्कि मस्जिद के बहाने कलह को कायम रखना था।

सिंह ने आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा, उच्चतम न्यायालय के आदेश के तहत अयोध्या में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को आवंटित भूमि का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, मुस्लिम समुदाय का इरादा कभी भी मस्जिद का निर्माण करना नहीं था, बल्कि मस्जिद की आड़ में अशांति और अव्यवस्था कायम रखना था, हालांकि, आपके नेतृत्व के कारण यह संभव नहीं हो पाया। सिंह ने कहा, वैसे भी नमाज अदा करने के लिए मस्जिद की आवश्यकता नहीं है।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मुस्लिम समुदाय इस मस्जिद के माध्यम से केवल बाबर की विरासत को संरक्षित करना और बाबरी मस्जिद के नाम पर हिंदू भावनाओं से खिलवाड़ करना चाहता है।

पोको ने पेश किया सबसे सस्ता 5जी स्मार्टफोन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी पोको इंडिया ने मंगलवार को 7,999 रुपए की कीमत वाला 5जी स्मार्टफोन 'पोको सी75 5जी' पेश किया। कंपनी का दावा है कि यह देश का सबसे सस्ता स्मार्टफोन है। इस दौरान पोको इंडिया के प्रमुख हिमांशु टंडन ने कहा कि देश में सभी के लिए सुलभ प्रौद्योगिकी पेश करना ही कंपनी का लक्ष्य है।

टंडन ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''पोको में हमारा लक्ष्य हमेशा ऐसी प्रौद्योगिकी पेश करना रहा है, जो सभी के लिए सुलभ और उपयोगी हो।'' कंपनी ने दो स्मार्टफोन पेश किए हैं, जिनमें एम7 प्रो 5जी स्मार्टफोन में इस खंड का सबसे चमकदार एएमओएलईडी डिस्प्ले, बेहतर ऑडियो (सुनने की) गुणवत्ता है। वहीं, पोको सी75 5जी भारत का सबसे सस्ता 5जी स्मार्टफोन है, जिसमें खासतौर पर सोनी का कैमरा सेंसर लगा है। उन्होंने कहा, ''इन नए स्मार्टफोन के साथ पोको अपना वादा दोहराती है कि हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन प्रौद्योगिकी और खूबियों को किफायती कीमत पर उपलब्ध कराते रहेंगे।'' कंपनी ने बयान में कहा कि एम7 प्रो 5जी में 5110 एमएएच, तो सी75 5जी में 5160 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी दी गई हैं।

भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन की कमी को बहुआयामी दृष्टिकोण से दूर किया जा रहा है : संसदीय समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक स्थायी समिति ने कहा है कि मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे पुराने लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से हटाये जाने के कारण हाल के वर्षों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू स्क्वाड्रन (लड़ाकू विमान के दस्ते) की संख्या में कमी आई है तथा ''बहुआयामी'' दृष्टिकोणों के माध्यम से यह समस्या दूर की जा रही है।

रक्षा संबंधी स्थायी समिति ने मंगलवार को संसद में पेश की गई रिपोर्ट में यह भी कहा कि रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना में सामने आई जासूसी की घटनाओं तथा इस बाबत की गई कार्रवाई के बारे में उसे सूचित किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा है, ''पिछले पांच वर्षों में (जासूसी के) चार मामले सामने आए हैं। इसमें शामिल सभी कर्मियों को वायुसेना से बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें से एक मामला पुलिस को सौंप

दिया गया है और उस पर दीवानी अदालत में मुकदमा चल रहा है।''

रिपोर्ट में कहा गया है, ''स्क्वाड्रन की संख्या में कमी के मुद्दे पर मंत्रालय ने समिति को अवगत कराया कि मिग-21, मिग-23 और मिग-27 श्रेणी के पुराने विमानों को चरणबद्ध तरीके से (सेवा से) हटाये जाने के कारण हाल के वर्षों में लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या में कमी आई है। लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या में नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए इसे बहुआयामी दृष्टिकोणों के माध्यम से निपटा जा रहा है।'' समिति को स्वदेश निर्मित एकल इंजन और चौथी पीढ़ी के बहु-भूमिका वाले हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस की लड़ाकू क्षमताओं के बारे में भी बताया गया। मंत्रालय ने समिति को बताया, भारतीय वायुसेना को तेजस एमके-1 विमान के दो स्क्वाड्रन मिले हैं और उन्होंने उनका संचालन शुरू कर दिया है। विमान का इस्तेमाल परिचालन भूमिकाओं के लिए किया जा रहा है और इसने हाल ही में संपन्न अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'तरंग शक्ति' में हिस्सा लिया।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि वायुसेना ने 83 एलसीए एमके-1ए की खरीद के लिए भी अनुबंध किया है और इसकी डिलीवरी फरवरी 2024 से शुरू होगी। डिजाइन और विकास के मुद्दों के कारण तेजस एमके-1ए कार्यक्रम में विलंब हुआ है।

इसमें कहा गया है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को तेजस का उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय के हवाले से कहा गया है, ''वायुसेना ने अतिरिक्त 97 एलसीए एमके-1ए विमानों की खरीद के मामले में भी प्रगति की है, जिसके लिए अनिवार्यता को मंजूरी (एओएन) दे दी गयी है और प्रस्ताव का अनुरोध (आरएफपी) जारी किया गया।'' रिपोर्ट में कहा गया है, ''इन अधिग्रहणों के साथ, भारतीय वायुसेना के पास 220 एलसीए एमके-1 और एमके-1ए विमान होंगे।''

जयशंकर ने इजराइली समकक्ष से बात की, प. एशिया की स्थिति पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। गाजा में इजराइल और हमास के बीच संभावित युद्धविराम समझौते के संकेतों के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ फोन पर बातचीत की। दोनों पक्षों के बीच वार्ता में कई महीनों के गतिरोध के बाद, प्रस्तावित युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के लिए पिछले कुछ दिनों में कूटनीतिक बातचीत में तेजी आई है। बताया जाता है कि गाजा में लगभग 95 बंधक हमास के कब्जे में हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, आज इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से बात करके खुशी हुई। क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रमों पर उनसे मिली जानकारी के लिए मैं आभारी हूं। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से मुलाकात के लिए उत्सुक हूं। समझा जाता है कि दोनों विदेश मंत्रियों ने 11 दिन पहले राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया की स्थिति पर भी चर्चा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | गुरुवार | 19-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

भगवान को यदि हृदय में विराजमान करना है तो रोजाना किसकिधाकांड का पाठ करना चाहिए। परमपिता परमेश्वर में हमें जो मानव शरीर दिया है हमें उसे अच्छे कार्यों व महापुरुषों के जीवन चरित्र के श्रवण व आचरण में उपयोग में लाना चाहिए। भगवान के हृदय में क्षण मात्र का भी स्वार्थ नहीं है। भगवान के नाम स्मरण मात्र से ही मुक्ति की प्राप्ति हो जाती है।

बीस जरुरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए ग्लोबल कंसर्न्स संस्था को दिया आर्थिक सहयोग

'मातृछाया' ने भविष्य में और अधिक सहयोग देने का दिया आश्वासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर का जैन महिला संगठन 'मातृछाया' ने एलआर नगर, कोरमंगला स्थित संस्था 'ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया'को जरुरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग दिया। स्लम इलाकों में निवासरत 20 जरुरतमंद बच्चों की पढ़ाई और देखभाल के लिए ग्लोबल संस्था को एक लाख बीस हजार रुपए का चेक प्रदान किया। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि लगभग 3 लाख की आबादी वाले इस स्लम इलाके में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं जो आर्थिक स्थिति की कमी के कारण स्कूल नहीं जा सकते। ऐसे बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए मातृछाया संस्था ने बच्चों को गोद लेकर सहयोग दिया और आने वाले वर्ष में और ज्यादा बच्चों को शिक्षा हेतु सुविधा प्रदान कराने का आश्वासन दिलाया।

ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया के अध्यक्ष नारायण अड़िगे ने बताया कि वर्ष 2005 में स्थापित इस संस्था की शुरुआत केवल पांच सदस्यों के साथ की गई। ग्लोबल संस्था के कोषाध्यक्ष केए सुरेश ने 'मातृछाया' के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। एजुकेशनल कोऑर्डिनेटर जीना ने बताया कि 'ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया' जरुरतमंद महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए काम करती है और वर्तमान में संस्था लगभग 3000 बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था भी करती है। 'मातृछाया' की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा, शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है। शिक्षा केवल ज्ञान का स्रोत नहीं है, बल्कि यह बच्चों को आत्मनिर्भर, सशक्त और समाज में योगदान देने योग्य बनाती है। यह उनके भविष्य को संवारने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है।

सचिव रेशमा बडोला ने बताया कि ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया जरुरतमंद बच्चों को स्कूल फीस, यूनिफॉर्म और शिक्षण सामग्री प्रदान करने में सहायता करती है, ताकि इन बच्चों को अपनी शिक्षा पूरी करने के समान अवसर मिल सकें। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि 'मातृछाया' भविष्य में और अधिक बच्चों को शिक्षा के लिए सहयोग करेंगी।

'शब्द' का पुरस्कार वितरण समारोह 22 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के विज्ञान नगर बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' का वार्षिकोत्सव-सह-पुरस्कार अर्पण समारोह आगामी रविवार, 22 दिसंबर को होगा। कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा ने बताया कि इस उत्सव के मुख्य अतिथि कन्नड़ के प्रख्यात कथाकार एवं जैन विद्या के मर्मज्ञ विद्वान हंपा नागराजय्या होंगे। इस अवसर पर इक्कीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' तेलंगाना के शिक्षाविद डॉ घनश्याम एस को प्रदान किया जाएगा तथा एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कथाकार भगवानदास मोरवाल को प्रदान किया जाएगा।

श्रीकांत शर्मा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार 'शब्द' के द्वारा ये पुरस्कार देश में साहित्य लेखन के संवर्द्धन के लिए और दक्षिण के प्रदेशों में भाषाई आपसदारी को मजबूत करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कृत किए जाने वाली हस्तियों को पुरस्कार राशि के साथ-साथ पारंपरिक मैसूर पेटा, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्रम्, सम्मान पत्र और श्रीफल भेंट किए जाएंगे। दोनों पुरस्कारों का निर्णय हिंदी भाषा और साहित्य के सर्जक विद्वानों की पाँच सदस्यीय मूल्यांकन समिति की संस्तुति के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा सर्वसम्मति से किया गया। उक्त सम्मान मूर्तियों का चयन उनके अबतक के कार्यों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

विज्ञप्ति के अनुसार 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' बेंगलूरु के प्रसिद्ध समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से दिया जाएगा। इसी तरह 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूरु और चेन्नई से प्रकाशित प्रमुख हिंदी समाचार पत्र समूह दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से दिया जाएगा।

'शब्द' के इस समारोह में आरंभ में प्रसिद्ध नाट्य संस्था 'कलायन' के कलाकारों द्वारा मानवीय गरिमा और राष्ट्रप्रेम के भाव पर आधारित नाटक 'जो पीछे रह जाते हैं' का मंचन किया जाएगा। नाटक के लेखक एवं निर्देशक हैं मथुरा कलौनी। समारोह मल्लेश्वरम स्थित तिरुमला विद्यानिकेतन के ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। समारोह में बेंगलूर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों साहित्य प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वासुपूज्य स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में वासुपूज्य स्वामी जैन सेवा मंडल द्वारा अन्नप्रसादम कार्यक्रम रखा गया जिसमें 546 व्यक्तियों ने लाभ लिया। मंडल के अध्यक्ष पदमराज मेहता ने लाभार्थी परिवार एवं मंडल के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

जेबीएन वी-कनेक्ट की बैठक में व्यापार पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो नार्थ जेबीएन वी कनेक्ट की तीसरी बैठक जीतो कार्यालय में लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना के मार्गदर्शन और मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में सॉफ्ट स्किल ट्रेनर व महिला उद्यमी नेहा चौधरी व्यवसाय को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि व्यवसाय में कोई आराम क्षेत्र नहीं है। उन्होंने लक्ष्य चार्ट के महत्व पर जोर देते हुए इसे बनाने की तकनीक पर एक गतिविधि कराई। इसके बाद रितिका जैन ने पोर्ट्रेट और ब्राइडल मेहंदी आर्टिस्ट के रूप में अपने व्यवसाय का परिचय दिया। शैक्षणिक सत्र में सुशीला श्रीश्रीमाल ने ऑफिस दर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीमा शाह ने की। उपाध्यक्ष मीना जैन और सचिव लीला पितलिया ने सहयोग किया। सभी सदस्यों को 30 सेकंड की पिच साझा करने का अवसर दिया गया ।

भगवान के नाम स्मरण मात्र से ही मुक्ति की प्राप्ति हो जाती है : क्षमाराम महाराज

माहेश्वरी भवन में सुन्दरकांड पाठ में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु सत्संग भक्त परिवार द्वारा माहेश्वरी भवन में आयोजित तीन दिवसीय श्रीराम कथा, गीता ज्ञान व सत्संग कार्यक्रम के आखिरी दिन बुधवार को सिंहस्थलपीठाधीश्वर श्री क्षमारामजी महाराज की निश्रा में सुन्दरकांड पाठ का संगीतमय वाचन किया गया। इस मौके पर संतश्री ने बीच बीच में सुन्दरकांड के प्रमुख प्रसंगों व पात्रों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संत गोस्वामी तुलसीदास जी बताते है कि बालकांड भगवान श्री के चरण है वहीं अरण्यकांड में भक्ति, तप, ज्ञान के अनेक उदाहरण प्रस्तुत है। भगवान को यदि हृदय में विराजमान करना है तो रोजाना किसकिंधाकांड का पाठ करना चाहिए। परमपिता परमेश्वर में हमें जो मानव शरीर दिया है हमें उसे अच्छे कार्यों व महापुरुषों के जीवन चरित्र के श्रवण व आचरण में उपयोग में लाना चाहिए। भगवान के हृदय में क्षण मात्र का भी स्वार्थ नहीं है। भगवान के नाम स्मरण मात्र से ही मुक्ति की प्राप्ति हो जाती है।

संतश्री ने कहा कि इस संसार का एक ही सार है प्रभु भक्ति और प्रभु प्रीति। हमें इस संसार में भी भगवान के प्रति हमारे प्रेम को

जगजाहीर नहीं करना चाहिए अपितु उसे हृदय में छिपाकर उनके बताए परहित मार्गों पर चलते हुए परमार्थ के कार्य करना चाहिए। क्षमाराजजी महाराज ने कहा कि भगवान श्री हनुमान बल,बुद्धि व ज्ञान के देवता है और व बल व बुद्धि दोनों में बलशाली है। उनके स्मरण करने से कठिन से कठिन असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। भगवान श्रीराम और भक्त हनुमान में जैसी प्रीति थी वैसा ही प्रेम हम मनुष्यों में होना चाहिए। संतश्री ने कहा कि तुलसी का पौधा व गाय को घर में रखने से सभी प्रकार के वास्तुदोष का नाश हो जाता है। सत्संग कार्यक्रम के समापन पर भक्त परिवार के गोपाल मोहता व कमल केडिया ने सभी श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया।

ताराचन्द बने श्रीरामपुरम संघ के नए अध्यक्ष व अशोककुमार बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्ष 2025-26 के लिए स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुरम के नए पदाधिकारियों का चयन गणेश बाग में संतश्री वीरेन्द्रमुनिजी की निश्रा में मंगलाचरण के बाद हुआ। संघ के मंत्री अशोककुमार गुगलिया ने गत साधारण सभा की कार्यवाही प्रस्तुत की। संघ द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी शांतिलाल बोहरा एवं सहचुनाव अधिकारी देवराज कोठारी की देख-रेख में चुनाव की औपचारिकताएं पूरी की गई और नए कार्यकाल के लिए ताराचंद गुगलिया को अध्यक्ष, किरणराज कोठारी को उपाध्यक्ष, अशोककुमार गुगलिया को मंत्री, सिद्धार्थ बोहरा को सहमंत्री, गौतमचंद खिंवेसरा को कोषाध्यक्ष तथा ताराचंद सेहलोत को सह कोषाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल खिंवेसरा ने सद्भाव के साथ संपन्न चुनाव पर संतोष व्यक्त करते हुए नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया ने सभी सदस्यों के सहयोग से धार्मिक क्षेत्र में संघ को नई ऊंचाई पर ले जाने की आशा व्यक्त की। मंत्री अशोककुमार गुगलिया ने संघ की सभी गतिविधियों में सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने का अनुरोध किया। यह जानकारी संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने दी।

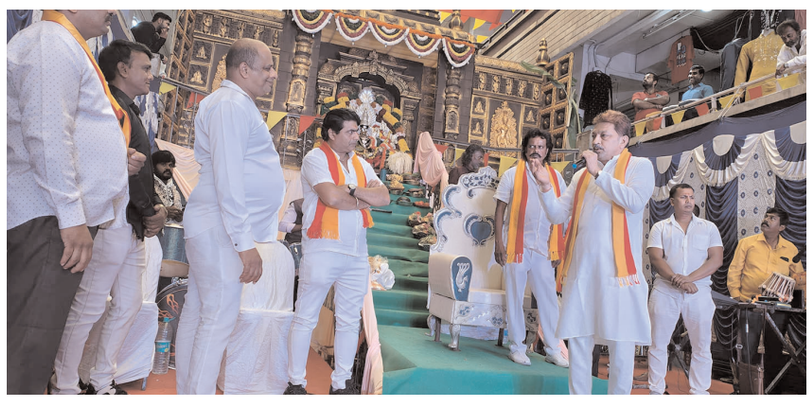

देवी उत्सव, कर्नाटक राज्योत्सव व रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केजी रोड स्थित अलंकार प्लाजा में कर्नाटक रक्षण वेदिके द्वारा अण्णम्मादेवी उत्सव, कर्नाटक राज्योत्सव एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वेदिके के राज्य अध्यक्ष नारायण गौड़ा ने दीप प्रज्वलन कर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके ध्वजारोहण किया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साहवर्धन करने के लिए विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। इस मौके पर युवाओं ने रक्तदान किया और संग्रहित रक्त को बेंगलूरु रुधिर संस्थान को दिया गया। इस अवसर पर मुणोत ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया।

'नान मुधलवन' योजना के तहत विद्यार्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, किया सम्मान

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कौशल व रोजगार केन्द्रों का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। तमिलनाडु प्रदेश के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को शहर के के तड़ाघम रोड सरकारी तकनीकी कॉलेज जीसीटी में 'नान मुधलवन' योजना के माध्यम से नौकरी के अवसर पाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया। उदयनिधि स्टालिन ने नियुक्ति आदेश जारी किए और बाद में कौशल एवं रोजगार केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्युत, मद्य निषेध एवं आबकारी मंत्री वी. सेंथिल बालाजी, उच्च शिक्षा मंत्री कोवी चेलियन, कोयंबटूर सांसद गणपति पी. राजकुमार उपस्थित थे। इस मौके पर तमिलनाडु प्रदेश के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का ड्रीम प्रोजेक्ट 'आई एम दि फर्स्ट चाइल्ड' के लिए राज्य के लाखों युवाओं को उनकी शिक्षा और रोजगार में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में घोषणा की थी कि 'नान मुधलवन' योजना के तहत 29 कौशल एवं प्लेसमेंट प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु कौशल विकास निगम की ओर से राज्य भर में 30.17 करोड़ रुपए की लागत से 29 कौशल प्रशिक्षण और रोजगार केंद्रों और 10 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट विनिर्माण प्रौद्योगिकी केंद्रों का उद्घाटन किया, जो तमिलनाडु के 6 पॉलिटेक्निक कॉलेजों में संचालित होंगे।

अभिनंदन

तमिलनाडु प्रदेश के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन का कोयम्बटूर जिले के प्रवास के दौरान कोयम्बटूर हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में मंत्री सेंथिल बालाजी, जिला मुख्य सचिव एन कार्तिक और अन्य स्थानीय नेताओं ने उपमुख्यमंत्री का सम्मान किया।

डॉ मेहता हॉस्पिटल ने कार्डियक कार्निवल 2024 का आयोजन किया

चेन्नई/दक्षिण भारत । शहर के वेलप्पनचावड़ी स्थित डॉक्टर मेहता हॉस्पिटल्स ने हृदय स्वास्थ्य के बारे में आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्डियक कार्निवल 2024 का आयोजन किया जिसमें इलाके के सैकड़ो लोगों ने भाग लेकर हृदय स्वास्थ्य पर आधारित शिक्षा जागरूकता तथा नवाचारों के बारे में अपना ज्ञानवर्धन किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण अत्याधुनिक कैथ लैब कार्डियोलॉजी उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ था, जो हृदय रोग निदान, उपचार योजना,अनुवर्ती देखभाल की सुविधा प्रदान करता है। कार्डियक कार्निवाल का आयोजन तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कैथ लैब डॉक्टर मेहता हॉस्पिटल की हृदय रोगों के उपचार समाधानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों ने एक वार्ता श्रृंखला के अंतर्गत महत्वपूर्ण जानकारियों को एक दूसरे विशेषज्ञों तथा हृदय रोगियों के साथ साझा की। इस वार्ता श्रृंखला में हृदय रोग विशेषज्ञ अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉक्टर श्रीराम, डॉ पी नरेंद्रन, डॉक्टर शेख मंजूर इलाही ने भाग लेकर हृदय रोगों से संबंधित शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर डॉक्टर मेहता हॉस्पिटल के अध्यक्ष समीर मेहता, निदेशक प्रणव मेहता तथा मैकेंसे एंड कंपनी के एमिरेट्स रमेश मंगलेश्वरन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com